सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 16 मई, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 246, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

वे जब किसी से कहते हैं
कभी मेरी 'कुटिया' में आईये
तो
यह उनकी विनम्रता नहीं
अहंकार होता है
उनके लिये उनकी बड़ी कोठी
कुटिया ही समान है
मानो
वे तो महल के लिये ही बने हैं
जो सच में कुटिया में रहते हैं
वे कभी नहीं कहते
मेरी कुटिया में आईये
वे कहते हैं
आप कभी मेरे घर पर आईये ।
.
– राजहंस सेठ

प्रसंगवश

इस साल केरल में मानसून जल्द आने के मायने?

दयानिधि

मानसूनी बारिश वसंत में शुरू होती है और शरद ऋतु में बंद हो जाती है। अब तक इस मौसमी पैटर्न को मुख्य रूप से सौर विकिरण में बदलाव के तत्काल प्रतिक्रिया के रूप में समझा जाता था। अब पोट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च (पीआईके) के शोधकर्ताओं के द्वारा किए गए एक नए अध्ययन से पहली बार पता चलता है कि वायुमंडल लंबे समय तक नमी को जमा कर सकता है, जिससे बाहरी स्मृति प्रभाव पैदा होता है।

यह मानसून प्रणालियों को दो स्थिर अवस्थाओं के बीच मोड़ने में मदद करता है। इस नाजुक संतुलन के बिगड़ने से भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील और चीन के अरबों लोगों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

शोध पत्र में पीआईके के शोधकर्ता के हवाले से कहा गया है कि वायुमंडल जल वाष्प की जानकारी को एकत्रित करके अपनी पिछली स्थिति को याद रख सकता है। व्यावहारिक रूप से, इसका मतलब यह है कि भले ही मौसम के साथ सौर विकिरण बढ़ता या घटता हो, लेकिन वायुमंडल हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया नहीं करता है। वसंत के दौरान, जल वाष्प कई दिनों और हफ्तों तक जमा होता रहता है। यह गर्मियों की शुरुआत में मॉनसून की बारिश की शुरुआत को तय करता है और शरद ऋतु में सौर प्रवाह में कमी आने पर भी इसे बनाए रखता है।

भारत, चीन और अन्य मानसूनी क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों को वायुमंडलीय सिमुलेशन के साथ मिलाकर, शोधकर्ताओं ने दिखाया है कि वायुमंडल की स्थिति उसके मौसमी इतिहास पर निर्भर करती है, यदि पहले से ही बारिश हो रही है, तो बारिश जारी रहती है। लेकिन अगर मौसम शुष्क रहा है, तो बारिश का शुरू होना मुश्किल हो जाता है। यह शोध 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

वसंत में वातावरण आमतौर पर शुष्क होता है और मॉनसून शुरू होने से पहले इसे जल वाष्प में बदलने की जरूरत पड़ती है। इसके विपरीत, शरद ऋतु में मॉनसून के बाद का वातावरण नम रहता है और सौर विकिरण के कमजोर होने पर भी बारिश को बढ़ावा देता रहता है। इस व्यवहार को द्विस्थिरता कहा जाता है। सौर विकिरण के समान स्तर पर, वातावरण या तो सूखा या बरसाती हो सकता है, जो पिछली स्थिति पर निर्भर करता है।

लंबे समय से इस बात की जानकारी है कि महासागर या विशाल बर्फ की चादरों जैसी प्रणालियों में किसी प्रकार की स्मृति होती है। लेकिन वायुमंडल में यह असंभव माना जाता था। यह स्मृति या याददाश्त प्रभाव मॉनसून की बारिश में एक बटन जैसा व्यवहार करता है, 'बंद' से 'चालू' और फिर से वापस मौसमी बदलाव। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह धीरे-धीरे नहीं होता है यह अचानक होता है।

शोध में शोधकर्ता के हवाले से कहा गया है कि इस तरह के अचानक बदलाव जलवायु प्रणाली में अन्य टिपिंग पॉइंट की विशेषता है, लेकिन मानसून इन सब में विशेष है। अहम बात यह है कि मॉनसून हर साल अपने टिपिंग पॉइंट को पार करता है और फिर वापस लौटता है। यह हमें भविष्य में आंकड़ों के साथ टिपिंग पॉइंट की वास्तव में पहचान करने और एक शुरुआती चेतावनी प्रणाली विकसित करने में सक्षम बना सकता है।

शोध में कहा गया है कि इस दोहरे व्यवहार के पीछे के तंत्र को जानने के लिए, शोधकर्ताओं ने उच्च-रिज़ॉल्यूशन वायुमंडलीय सामान्य परिसंचरण मॉडल के साथ वास्तविक दुनिया के आंकड़ों और सिमुलेशन दोनों का उपयोग किया। एक आदर्श मानसून ग्रह की व्यवस्था में, शोधकर्ताओं ने वायुमंडल को महासागरों जैसे धीमी पृथ्वी प्रणाली वाली घटकों से अलग कर दिया। सिमुलेशन ने दिखाया कि मानसून की बारिश महासागर की तापीय आधार के बिना शुष्क और गीली अवस्था के बीच बदल सकती है। इस व्यवहार का मुख्य कारण वायुमंडलीय नमी का मजबूत होना है जो हफ्तों तक बारिश को स्थिर करता है।

शोध पत्र में शोधकर्ता के हवाले से बताया गया है कि इस प्रणाली में केंद्रीय टिपिंग पॉइंट को स्पष्ट रूप से एक सीमा के रूप में पहचाना जा सकता है। जब वायुमंडलीय जल वाष्प लगभग 35 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर से अधिक हो जाता है, तो मॉनसून चालू हो जाता है। यदि यह उससे नीचे गिरता है, तो यह बंद हो जाता है। यह अचानक, सीमा-आधारित प्रतिक्रिया दोहरी स्थिति को परिभाषित करती है।

शोध के निष्कर्ष में कहा गया है कि अगर प्रदूषण या ग्लोबल वार्मिंग के कारण यह गतिशीलता बाधित होती है, तो बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसका भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील और चीन जैसे देशों में रहने वाले अरबों लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, जो अपनी आजीविका के लिए मानसून की बारिश पर निर्भर हैं, यह न केवल हमारी जलवायु प्रणाली को ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

भारत में मानसून की दस्तक: दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 13 मई, 2025 से दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की संभावना है। जबकि अगले चार से पांच दिनों के दौरान इसके दक्षिण अरब सागर, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और अंडमान सागर तथा मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है।

मौसम विभाग की मानें तो दक्षिण-पश्चिमी मानसून 27 मई को केरल में दस्तक दे सकता है, जो कि सामान्य तिथि एक जून से चार दिन पहले है। जबकि अपने आउटलुक में विभाग के द्वारा कहा गया था कि 2025 में दक्षिण-पश्चिमी मानसून के चलते सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

मानसून भारत की गर्म और शुष्क गर्मियों के अंत का प्रतीक है। जैसे-जैसे यह उत्तर की ओर बढ़ता है, यह ठंडा मौसम और बारिश लेकर आता है। केरल में जल्दी आना इस बात का संकेत है कि अन्य क्षेत्रों में भी समय पर बारिश हो सकती है। यह लोगों और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक अच्छा संकेत है। वहीं सामान्य से बेहतर मानसून के पूर्वानुमान से उत्साहित होकर सरकार ने फसल वर्ष 2025-26 के लिए 35.464 करोड़ टन का रिकॉर्ड कृषि उत्पादन लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य 2024-25 में दर्ज 34.155 करोड़ टन कृषि उपज से 3.8 फीसदी या 1.3 करोड़ टन अधिक है।

('डाउन टू अर्थ' हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

श्रीनगर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जवानों से मिले

भारत के माथे पर वार करने वालों की छाती पर घाव किया

- पाकिस्तान -भीख मांगने वालों की लाइन में सबसे आगे खड़ा मिलता है

श्रीनगर (एजेंसी)। राजनाथ ने कहा- पाकिस्तान जहां से खड़ा होता है वहां से मांगने वालों की लाइन शुरू हो जाती है। हाल ही में पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज मांगने गया। जबकि भारत उसी आईएमएफ को फंड देता है। रामचरित मानस में कहा गया है जहां सुमति तहं संपति नाना, जहां कुमति तहं विपत निधाना। यानी जहां सुमति होती है वहां संपन्नता आती है। जहां कुमति होती है वहां विपत्ति आती है। हमने तय किया कि धरती की छाती चीरकर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करेंगे। मैं मानता हूं कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ की गई यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। हमने दिखा दिया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने भारत के मस्तिष्क पर वार किया तो हमने उनकी छाती पर वार किया।

दुनिया जानती है कि हमारी सेना का निशाना अचूक

साथियों आपको याद होगा लगभग 21 साल पहले स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के सामने इस्लामाबाद ने डिक्लेयर किया था कि पाकिस्तान से आतंकवाद एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा, लेकिन पाकिस्तान ने धोखा दिया है।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दो टूक शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ डिफाइन कर दिया है। उन्होंने कह दिया है कि अब कोई भी आतंकी वारदात एक्ट ऑफ वार मानी जाएगी।

अगर सरहद पर से आतंकी घटना हुई तो बात बहुत दूर तक जाएगी।

● परमाणु हथियारों पर भारत के रुख से सहमा पाकिस्तान!

राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान के बाद पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है और उनका बयान उनकी 'असुरक्षा और निराशा' को दर्शाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान पर पाकिस्तान ने भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने कह दिया है कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने राजनाथ सिंह के बयान की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान ने फिर से बड़बोलेपन वाले अंदाज में राजनाथ सिंह के बयान के बारे में कहा कि यह उनकी 'असुरक्षा और निराशा' को दिखाता है। पाकिस्तान का दावा है कि वह अपनी रक्षा करने में सक्षम है और उसे भारत से डरने की जरूरत नहीं है।

बहनों के लिए राज्य सरकार के द्वार सदैव हैं खुले : मुख्यमंत्री

लाड़ली बहनों को सम्मान देकर पूरा प्रदेश होता है गौरवान्वित, 1551 करोड़ 89 लाख रूपए की राशि अंतरित की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी कल्याण के लिए संकल्पित है। भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानते हुए सरकार अपने सभी वचन (संकल्प) पूर्ण कर रही है। प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को योजना की 24वीं किशत जारी की गई है। हर महीने बहनों को 1250 रुपए राशि भेजकर हर माह रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश में नारियों के सम्मान की परम्परा अनादि काल से है। हमने जो वादा बहनों से किया था उसे लगातार निभा रहे है। हम भगवान श्रीराम की संस्कृति को मानने वाले हैं जो वचन देते हैं उसे प्राण देकर भी निभाते हैं। लाड़ली बहना को सम्मान देकर पूरा प्रदेश गौरवान्वित होता है। प्रदेश की लाड़ली बहनों को अब तक 28 हजार करोड़ से अधिक का लाभ मिल चुका है। सरकार के द्वार बहनों के लिए सदैव खुले हैं। उन्होंने कहा कि बहन-बेटियों के खातों में पैसे पहुंचते हैं तो घर में लक्ष्मी बनी रहती है। भारत में पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि एक मां अपने हिस्से का भोजन बेटे को कराकर खुश होती है। भारत दुनिया का इकलौता ऐसा देश है, जहां भारत भूमि की पूजा मां के रूप में की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को सीधी में विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरण के साथ विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में 1551 करोड़ 89 लाख रूपए की राशि का अंतरण किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 56 लाख 83 हजार हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई।

बहनों के साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी भेजी जा रही राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक माह बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना, किफायती दरों पर एलपीजी सिलेंडर रिफिल कराने के लिए सहायता राशि अंतरित कर रही है। इसी के साथ किसानों को प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का भी लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश की बहनों के साथ-साथ किसान भाइयों के बैंक खातों में भी पैसे भेजे जा रहे हैं।

आतंकियों की काल बनी सेना, ड्रोन से खोजकर 6 को किया ढेर

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के त्राल में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया। यह एक मकान में छिपे थे। सुरक्षाबलों ने इन्हें ड्रोन की मदद से ढूंढ निकाला और एनकाउंटर कर दिया। मारे गए आतंकियों में एक टॉप कमांडर आसिफ शेख था। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट को भी मार गिराया। इस बीच, त्राल में मारे गए एक आतंकी आमिर नजीर वानी का आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें वह अपनी मां से बात कर रहा है। मां ने कश्मीरी में आमिर से कहा- बेटा, सरेंडर कर दो। जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन दिनों में यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले शोपियां जिले के केलर में 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे।

मणिपुर के चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है।

म.प्र. बनेगा टेक्सटाइल एक्सपोर्ट का नया हब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैन मेड एंड टेक्सटाइल एक्सपो का आज इन्दौर में करेंगे शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में मानव निर्मित फाइबर, होम टेक्सटाइल और तकनीकी टेक्सटाइल के निर्यात की संभावनाओं को तलाशने और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से 16 मई को इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 5 बजे सेमिनार का शुभारंभ करेंगे। राज्य सरकार और मैन मेड एंड टेक्नीकल टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन कॉउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में होटल मैरियट में सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य सरकार की टेक्सटाइल नीति, रणनीतियों और निर्यात को प्रोत्साहन देने वाले किये गये प्रयासों पर विशेष संबोधन देंगे। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह राज्य की टेक्सटाइल नीति और नई पहलों पर प्रस्तुति देंगे। साथ ही भारत टेक्स 2026 के संबंध में जानकारी दी जायेगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता वाले बयान से पलटे ट्रम्प

● कहा- मैंने सीजफायर नहीं कराया, सिर्फ मदद की ● 10 मई को जानकारी देकर लिया था श्रेय

वाशिंगटन/कतर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प गुरुवार को 5 दिन बाद भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई, लेकिन मैंने मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सैटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हो सकता था। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागना शुरू कर दिया और हमने सब सैटल कर दिया। ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। कहा था, मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई। ट्रम्प ने 15 मई को कतर में कहा- मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया। मैंने दोनों से व्यापार को लेकर बात की। मैंने कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान बहुत खुश था, भारत बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे सही रास्ते पर हैं। उन्होंने कहा, वे (भारत-पाकिस्तान) बीते 1000 साल से लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि मैं समझौता करा सकता हूं। और मैंने समझौता करा दिया। मैंने कहा कि मुझे इसे निपटाने दो।

- 12 मई- ट्रम्प बोले- हमने भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु जंग रोकी- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाणु जंग रोक दी है। उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा- अमेरिका ने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में मदद की है। ट्रम्प ने कहा, मुझे यकीन है कि यह सीजफायर स्थायी होगा। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे।
- 11 मई- ट्रम्प बोले- कश्मीर मुद्दे पर हल निकालने की कोशिश करूंगा- मुझे भारत और पाकिस्तान की मजबूत लीडरशिप पर बहुत गर्व है, जिन्होंने ताकत, समझदारी और हिम्मत दिखाकर यह फैसला लिया कि अब मौजूदा तनाव को रोकने का समय है। यह तनाव लाखों लोगों की मौत और तबाही का कारण बन सकता था। लाखों निर्दोष लोग मर सकते थे। मुझे खुशी है कि अमेरिका इस ऐतिहासिक और साहसी फैसले तक पहुंचने में आपकी मदद कर सका।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 16 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पाएगी तुर्किये की कंपनी सेलेबी

केंद्र ने रद्द की सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय हवाई अड्डे पर तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश के जरिए दी गई। विमानन मंत्रालय के आदेश में कहा गया, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्राउंड हैंडलिंग की सुरक्षा मंजूरी 21 नवंबर 2022 को दी गई थी, उसे अब देश की सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।

भाजपा छोड़ टीएमसी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला बोले- मुझे आदिवासियों के लिए काम नहीं करने दिया गया

कोलकाता (एजेंसी)। बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने उन्हें आदिवासियों के कल्याण के लिए काम नहीं करने दिया। बारला 2019 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार से भाजपा सांसद चुने गए थे। उन्होंने केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री के रूप में काम किया था। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बारला की जगह मनोज तिग्गा को अलीपुरद्वार से अपना उम्मीदवार बनाया था, जिसे लेकर उन्होंने खुले तौर पर नाखुशी जाहिर की थी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य सचेतक तिग्गा चुनाव जीतने में सफल रहे थे। तृणमूल में आधिकारिक तौर पर शामिल होने के बाद बारला ने कहा, भाजपा में रहने के दौरान मुझे आदिवासी लोगों के हितों के लिए काम करने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में मैं आदिवासी आबादी के हितों के साथ न्याय कर सकूंगा।

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने को लेकर रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी। बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी।

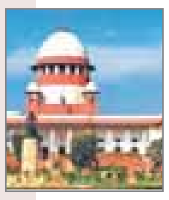

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर राष्ट्रपति मुर्मू के 14 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

एमपी के मंत्री विजय शाह पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

एक मंत्री होकर आप ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं : सुको

- सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की फटकार के बाद सियासी उथल-पुथल तेज
- एफआईआर की भाषा से हाईकोर्ट नाराज, कहा खानापूर्ति कर दी

नईदिल्ली/जबलपुर/भोपाल (एजेंसी)। महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि आप संवैधानिक पद पर हैं और आपको अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। एक मंत्री होकर आप किसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ लिखी गई एफआईआर की कॉपी पर भी सवाल उठाए हैं। इधर सियासी उथल-पुथल भी तेज हो गई है। उमा भारती भी इस मामले में लगातार मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग कर रही हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर दर्ज एफआईआर की भाषा पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने गुरुवार को मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर को सिर्फ खानापूर्ति बताया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि अब इस पुलिस जांच की निगरानी कोर्ट करेगी। जांच किसी दबाव में प्रभावित ना हो इसलिए ऐसा करना जरूरी है। हाईकोर्ट इस मामले में छुट्टियों के बाद फिर सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री से जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है- इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। आप किस तरह के बयान दे रहे हैं? देखना चाहिए कि कैसे हालात हैं? आप जिम्मेदार पद पर हैं, जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

बयान पर विवाद बढ़ा तो शाह ने माफी मांगी- विजय शाह ने बुधवार को वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, मैं शर्मिंदा हूं, दुखी दिल से माफी चाहता हूं। मेरे भाषण में मेरी मंशा थी कि समाज के बीच सेना और सोफिया बहन के कामों को ठीक से रखूं, लेकिन दुखी और विचलित मन से कुछ ऐसे शब्द जुबान से निकल गए, जिसके कारण मैं अब शर्मिंदा हूं। पूरे समाज और समुदाय से मैं इस बात के लिए हाथ जोड़कर माफी चाहता हूं।

कांग्रेस की मांग, शाह को पार्टी से निकाले भाजपा- मंत्री विजय शाह के बयान पर हाईकोर्ट के स्वतः संज्ञान और एफआईआर के निर्देश देने के बाद कांग्रेस ने विजय शाह पर केस दर्ज करने की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने कहा है कि विजय शाह को भाजपा से भी तत्काल प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

रामगोपाल यादव की विवादित टिप्पणी

मुरादाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ीं कर्नल सोफिया के बाद अब विंग कमांडर व्योमिका सिंह के बारे में विवादित टिप्पणी की गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा रामगोपाल यादव ने उनके लिए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। इनमें कुछ ऐसे शब्द हैं, जो हम लिख नहीं सकते हैं। गुरुवार को यूपी के मुरादाबाद में रामगोपाल ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ शामिल विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव है... हैं। लेकिन भाजपा ने राजपूत समझकर व्योमिका के बारे में कुछ नहीं कहा, जबकि मुसलमान होने पर भाजपा के मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को गाली दी। प्रोफेसर रामगोपाल यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में एयर ऑपरेशन को अंजाम देने वाले एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती यादव हैं।

लखनऊ में चलती एसी बस में आग, 5 जिंदा जले

- पिता के सामने बेटा-बेटी की मौत, इमरजेंसी गेट नहीं खुला, बिहार से दिल्ली जा रही थी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में गुरुवार सुबह चलती एसी बस में आग लग गई। हादसे में 5 यात्रियों की जलकर मौत हो गई। मृतकों में मां-बेटी, भाई-बहन और एक युवक है। बस में करीब 80 यात्री थे। स्लीपर बस बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही थी। हादसा सुबह 4.40 बजे आउटर रिंग रोड (किसान पथ) पर मोहनलालगंज के पास हुआ। उस वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। यात्रियों ने बताया कि बस में अचानक धुआं भरने लगा। लोगों को कुछ समझ नहीं आया। कुछ ही मिनटों में आग की तेज लपटें उठने लगीं। बस के अंदर भगदड़ मच गई। ड्राइवर और कंडक्टर बस छोड़कर भाग गए। ड्राइवर की सीट के पास एक एक्स्ट्रा सीट लगी थी। ऐसे में यात्रियों को नीचे उतरने में दिक्कत हुई। कई यात्री फंसकर गिर गए। आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंचीं, तब तक पूरी बस जल चुकी थी।

यूपी में 2000 करोड़ से 5 नई फैक्ट्रियां लगेंगी

डेयरी के लिए 5 करोड़ तक मिलेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। योगी कैबिनेट ने गुरुवार को 10 प्रस्तावों पर मुहर लगाई। प्रदेश में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर 5 सीड यानी बीज पार्कों की स्थापना की जाएगी। पहला पार्क लखनऊ के अटारी में बनाया जाएगा। सीड पार्क बनने से 21 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, प्रदेश के 5 शहरों में 2 हजार करोड़ की लागत से 5 फैक्ट्रियां खुलेंगी। इन शहरों में प्रयागराज, हापुड़, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और मुजफ्फरनगर शामिल हैं। अब डेयरी प्लांट खोलने के लिए 5 करोड़ रुपए तक सब्सिडी मिलेगी। सोलर पैनल लगाने पर 75केवी (किलोवोल्ट एम्पीयर) तक 50 प्रतिशत और महिला उद्यमियों को 90 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, उड्डयन विभाग में संविदा कर्मियों की सैलरी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई।

वहीं, सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में बारात घर का निर्माण कराएगी। इसके लिए 100 करोड़ रुपए का बजट दिया जाएगा। पहले चरण में 71 ग्रामीण विधानसभाओं में बारात घर का निर्माण होगा। कैबिनेट ने अभिनंदन प्रस्ताव पास किया है। इसके जरिए ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना को बधाई दी।

महाराष्ट्र के जलगांव में बड़ा हादसा

मालगाड़ी के 5-6 डिब्बे पटरी से उतरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में गुरुवार दोपहर एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इससे पश्चिम रेलवे के नंदुरबार-सूरत खंड की दोनों लाइनों पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि चंद्रपुर जिले के गुगुस से गुजरात के गांधीनगर जा रही इस मालगाड़ी के इंजन समेत सात डिब्बे जलगांव जिले के अमलनेर स्टेशन पर दोपहर 2:18 बजे पटरी से उतर गए। यह स्थान मुंबई से करीब 350 किलोमीटर दूर है।

किसी के हताहत होने की सूचना नहीं- उन्होंने कहा कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मालगाड़ी के चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। उद्धना, भुसावल और नंदुरबार से दुर्घटना राहत ट्रेनें (एआरटी) और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। परिचालन बहाल करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

'पीओके' पर तीसरे देश का दखल मंजूर नहीं

जयशंकर ने चीन को भी लताड़ा, बोले- सैटेलाइट तस्वीरें बता रही सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) में टीआरएफ आतंकी संगठन के खिलाफ सबूत पेश करने का फैसला किया है। भारत की मांग है कि इस आतंकी संगठन पर बैन लगाया जाए। टीआरएफ पर बैन लगाने के मामले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, इस मामले पर वास्तव में भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने साफ तौर पर कहा है पहलगाम हमले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। विदेश मंत्री ने भारत-पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई पर कहा कि दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए चीनी ड्रोन का इस्तेमाल किया। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। वहीं,जयशंकर ने एक बार फिर अमेरिका को इशारों-इशारों में बता दिया कि कश्मीर का मुद्दा द्विपक्षीय है। इस मामले पर किसी भी तीसरे देश का दखल सही नहीं है।

400 लोगों के साथ 'फुले' देखकर निकले राहुल गांधी, एंट्री नहीं मिलने पर कांग्रेसियों ने किया हंगामा

दरभंगा, पटना (एजेंसी)। दरभंगा में एनएसयूआई के 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राहुल गांधी गुरुवार दोपहर 2 बजे पटना पहुंचे। एयरपोर्ट से वो सीधे सिटी सेंटर मॉल पहुंचे। वहां 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ थिएटर में 2 घंटे 9 मिनट की 'फुले' मूवी देखी। राहुल गांधी 4.54 बजे थिएटर से बाहर निकले और एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। यह मूवी समाज सुधारक ज्योतिबा फुले पर आधारित है। वहीं, फिल्म का पास होने के बावजूद थिएटर में एंट्री नहीं मिलने पर कई लोगों ने हंगामा किया।

शो के 400 टिकट बुक, नेताओं की एंट्री नहीं- सिटी सेंटर के आईनोक्स मूवी थिएटर के ऑडिटोरियम- 1 में 2.20 बजे से 5.20 बजे तक के शो के लिए 400 टिकट बुक किए गए हैं। 'फुले' मूवी के शो के लिए स्पेशल पास बांटे गए हैं।

राहुल बोले-

आपको बोलने नहीं दिया जा रहा- दरभंगा में राहुल ने कहा कि 24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होना चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोग..जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो। मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है।

लोकसभा में हमने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि आपको जाति जनगणना करानी पड़ेगी। संविधान को माथे से लगाना पड़ेगा।

जयपुर में 4 युवक-युवती डूबे, मौत

तालाब में नहाने उतरी थी लड़की, पैर फिसला; बचाने के चक्कर में साथी भी डूब गए

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में गुरुवार दोपहर डूबने से 3 युवतियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। चारों युवक-युवतियां फार्म के पोंड में नहाने गए थे। नहाते समय एक युवती का पैर फिसल गया। उसे बचाने के चक्कर में तीनों साथी भी डूब गए।

'मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं, देश के लिए बोलता हूं', शशि थरूर ने कांग्रेस को दिखाया तेवर

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पार्टी के 'लक्ष्मण रेखा' वाली टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं। इस वक्त हमें देश के लिए खड़ा होना चाहिए, खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय पटल पर।

दरअसल थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर केंद्र सरकार की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान और दुनिया के लिए मजबूत संदेश है। इसके बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कथित तौर पर यह ये कहा गया कि शशि थरूर ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। थरूर ने आगे कहा, मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मैं पार्टी का प्रवक्ता नहीं हूं, ना ही मैं सरकार का प्रवक्ता हूं। लोगों को अगर लगता है कि मुझे किसी बारे में जानकारी है, तो वे मेरे व्यूज पूछते हैं।

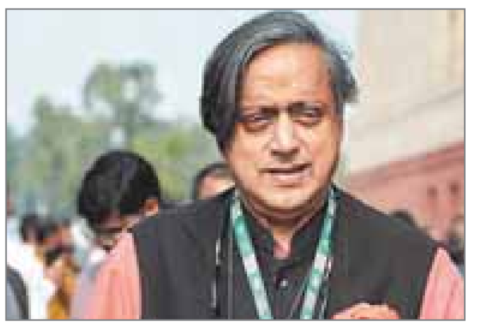

ईसीबी परीक्षा में भारी अव्यवस्था, 22 हजार अभ्यर्थी लौटे

ढाई घंटे इंतजार के बाद कहा- आज एग्जाम नहीं होगा, गर्भवती छात्रा पानी-ओआरएस को तरसी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा 15 मई को समूह 1- उप समूह 3 की संयुक्त परीक्षा 2024 आयोजित की गई थी। प्रथम पाली के कैंडिडेट सुबह सुबह 8 बजे से परीक्षा केंद्र में सभी फॉर्मेलिटीज पूरी करने के बाद एग्जाम देने की तैयारी में थे। सुबह 9:00 से उन्हें परीक्षा के लिए आईडी पासवर्ड संबंधित केंद्र द्वारा दिया जाना था।

ढाई घंटे इंतजार करने के बाद करीब 11:30 बजे कैंडिडेट्स को कहा गया कि आज परीक्षा नहीं होगी। इसके बाद जब उनके द्वारा विरोध जताया गया तो उन्हें मध्य प्रदेश कर्मचारी मंडल का एक नोटिफिकेशन दिखाया गया। जिसमें समूह एक- उप समूह तीन संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 की प्रथम पाली को तकनीकी समस्या का कारण बताते हुए स्थगित करने की बात कही गई। मामले में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा अब तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंडलः सामूहिक 1 उप सामूहिक 3 संयुक्त परीक्षा स्थगित हो गई।

कैंडिडेट रुचि शर्मा ग्वालियर से परीक्षा देने भोपाल आई थी। उन्होंने बताया कि उनके साथ सेंटर पर करीब 400 लोग थे, जिसमें गर्भवती अभ्यर्थी भी शामिल थी। भोपाल के अभिषेक तिवारी ने कहा, परीक्षा का ऐसे बार-बार स्थगित होना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

इसके बाद अभ्यार्थियों से सामूहिक रूप से

ईएसबी डायरेक्टर को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि सेज यूनिवर्सिटी भोपाल को भविष्य में परीक्षा केंद्र न बनाया जाए, सेंटर में लंबे इंतजार के बाद भी गर्भवती अभ्यर्थी ने पानी और ओआरएस की मांग की गई जो उन्हें नहीं दिया गया, जिसके चलते उनकी तबीयत खराब हो गई और उन्हें लौटना पड़ा।

22 हजार कैंडिडेट ने किया था आवेदन

समूह 1 उप समूह 3 के पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 में कुल 22 हजार 66 आवेदन आए थे। जिसमें 4 हजार 639 कैंडिडेट अन रिजर्व कैटेगरी के हैं।

कैटेगरी	- कैंडिडेट्स की संख्या
अन रिजर्व	- 4639
ईडब्लुएस	- 2038
ओबीसी	- 7891
एससी	- 4063
एसटी	- 3435
कुल	- 22066

छात्र बोले- हमें चाहिए भत्ता, मंडल ने कहा- आवेदन दीजिए

प्रथम पाली में परीक्षा देने के लिए आए रीवा के संतोष कुमार ने कहा कि अभी मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल कार्यालय में सिर्फ 40 से 50 कैंडिडेट्स मौजूद हैं। लेकिन इस परेशानी का सामना 20 हजार से अधिक लोगों ने किया है। कई फोन हमारे पास आए हैं, कैंडिडेट्स अपने अपने केंद्र से निकल कर सीधे मंडल के कार्यालय में एकत्र हो रहे हैं।

नीलबड़, कोलार, अवधपुरी समेत राजधानी के अलग अलग क्षेत्रों के इंस्टीट्यूट्स में सेंटर बनाए गए हैं। जिसमें परीक्षा देने के लिए पूरे राज्य से लोग आए। अब इनका जो मंडल की लापरवाही से 3 से 4 हजार रुपए खर्च हुआ है, उसका भत्ता देना भी इनकी जिम्मेदारी है। मंडल के अधिकारी हम लोगों से मिलने आए तो उनके सामने यह डिमांड रखी है। उन्होंने हमसे इसके लिए आवेदन मांगा है।

कैंडिडेट्स ने रखी 3 प्रमुख मांग

- एग्जाम कैंसिल होने की असल वजह बताई जाए। सिर्फ तकनीकी समस्या कह कर इसे टाला ना जाए।
- जितने भी कैंडिडेट्स परीक्षा देने केंद्र पर पहुंचे, उन्हें भत्ता दिया जाए।
- जल्द अगली परीक्षा की डेट निर्धारित की जाए और जितने छात्र इस बार आए, उन्हें ही परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए।
- प्रदेश भर से बच्चे इस परीक्षा में भाग लेते हैं। ऐसे में उनके गृह जिले के नजदीक ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएं।
- एग्जाम सेंटर्स में पीने के पानी, साफ टॉयलेट और प्रॉपर वेंटिलेशन जैसी बेसिक जरूरतें हो। जिससे कैंडिडेट बिना परेशान हुए, परीक्षा पर फोकस कर सकें।

दूसरी पाली की परीक्षा जारी

इधर, मंडल का कहना है कि दूसरी पाली की परीक्षा कराने का प्रयास जारी है। हालांकि, विरोध कर रहे कैंडिडेट्स का कहना है कि दूसरी पाली की परीक्षा होती है तो अच्छी बात है। लेकिन पहली पाली वाले कैंडिडेट्स को फिर जल्द मौका मिलना चाहिए।

प्रमुख पदों में शामिल हैं

मैनेजर (जनरल)
मैनेजर (अकाउंट्स कम ऑडिटिंग)
मैनेजर (क्वालिटी कंट्रोल)
असिस्टेंट अकाउंटेंट
कंप्यूटर प्रोग्रामर
साइंटिस्ट
सेक्शन ऑफिसर
पब्लिसिटी असिस्टेंट
चार्टर्ड अकाउंटेंट/अकाउंट एक्सपर्ट
असिस्टेंट ई-गवर्नेंस ऑफिसर
टास्क मैनेजर
असिस्टेंट सेनिटेशन ऑफिसर
असिस्टेंट मैनेजर (अकाउंट्स)
असिस्टेंट मैनेजर (जनरल)

बच्चों की मजबूत बुनियाद गढ़ने की पहल

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग, फंदा परियोजना और अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन (फंदा ग्रामीण) के संयुक्त तत्वावधान में बैरागढ़ स्कूल में एक दिवसीय शाला पूर्व शिक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना की 18 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में 3-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए की जा रही शैक्षिक गतिविधियों, नवाचारों और अनुभवों को पेपर के माध्यम से प्रस्तुत किया।

आईसीडीएस परियोजना अधिकारी कोमल उपाध्याय ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा, 'शाला पूर्व शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित होता है, बल्कि यह उनकी आगे की शिक्षा की ठोस नींव भी रखता है।' उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र में शाला पूर्व शिक्षा का लाभ हर बच्चे तक पहुंचे, ताकि शिक्षा की बुनियाद और अधिक सशक्त हो सके। इन प्रयासों से न केवल बच्चों के नामांकन दर में वृद्धि हो रही है, बल्कि बच्चों का बौद्धिक विकास भी सुदृढ़ हो रहा है।

डाइट प्राचार्य सुभाष गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है, वे बच्चों की प्रारंभिक समझ और जिज्ञासा की दिशा तय करती हैं। इस प्रकार के आयोजनों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नवाचार और सृजनशीलता के नए अवसर प्राप्त होते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के ब्लॉक समन्वयक सिद्धार्थ कुमार जैन ने कहा कि 'इन प्रयासों से बच्चों में सीखने की रुचि और उनकी सामाजिक-मानसिक क्षमताओं का विकास हो रहा है। यह मंच कार्यकर्ताओं के लिए नवाचार और अनुभव साझा करने का एक सशक्त अवसर है।' उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों को शैक्षिक गतिविधियों का एक सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में और प्रयास करने की बात कही। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन की पारूल बत्रा ने किया। आयोजन के सफल संयोजन में शुभ्रा मिश्रा, दीपा जोस, इंद्रनील, पूजा सक्सेना, राखी सोनी और रमाकांत प्रसाद का विशेष योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद स्व.सुखदेव की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले महान क्रांतिकारी अमर शहीद स्व. सुखदेव की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि अमर शहीद स्व. सुखदेव का जीवन राष्ट्रसेवा, मातृभूमि के प्रति प्रेम एवं संघर्ष का स्वर्णिम अध्याय है जिसके बिना देश की स्वतंत्रता का इतिहास सदैव अधूरा रहेगा। उन्होंने अमर शहीद के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि स्व. सुखदेव जैसे अमर वीरों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उनका साहस, राष्ट्रभक्ति और युवाओं को जगाने का प्रयास सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि स्व. सुखदेव थापर, भगत सिंह और राजगुरु के साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 23 मार्च 1931 को उन्होंने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रथम फील्ड मार्शल स्व. करिअप्पा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय सेना के प्रथम कमांडर इन चीफ, फील्ड मार्शल स्व. के.एम. करिअप्पा की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर फील्ड मार्शल करिअप्पा के राष्ट्र निर्माण में योगदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत को सशक्त बनाने और सेना की सुदृढ़ता के लिए किए गए उनके प्रयास अविस्मरणीय रहेंगे। देश सेवा के आदर्श के रूप में वे सदैव जवानों के प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और गौरव के लिए स्व. करिअप्पा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरक है। उनके योगदान का सदैव स्मरण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि फील्ड मार्शल के.एम. करिअप्पा भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर इन चीफ थे, जिन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने न केवल पेशेवर मजबूती हासिल की, बल्कि अनुशासन और समर्पण के नए मानक भी स्थापित किए।

भोपाल में अवैध कॉलोनियों पर चली जेसीबी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हुजूर तहसील क्षेत्र में गुरुवार को अवैध कॉलोनी और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई। जेसीबी की मदद से अतिक्रमण तोड़ा गया। कॉलेज, गार्डन और फॉर्म हाउस पर भी कार्रवाई हुई। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया, अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण की पहले जांच की गई। जांच के बाद गुरुवार को पुलिस बल के साथ कार्रवाई की गई।

इन जगहों पर हुई कार्रवाई

ग्राम छावनी पठार में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

मिलेनियम कॉलेज की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया गया।

मयूरी गार्डन और ग्रीनवुड फार्म से भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं जबलपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि लोगों की समस्या के निराकरण और विकास की योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये जन प्रतिनिधियों और सबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच निरन्तर संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़ी समस्या का निराकरण तत्परता से किया जाएं। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों का समय-सीमा तय कर समाधान करें। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा गुरूवार को जबलपुर में जिला योजना समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बैठक में जल जीवन मिशन एवं अमृत 2.0 सहित जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के कार्यों की समीक्षा की तथा सिविल डिफेंस प्लान के क्रियान्वयन पर योजना समिति के सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी भी मुद्दे का निराकरण अगर जिला स्तर पर संभव नहीं है, तो तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाएं जिससे शासन स्तर पर उसे निराकृत करने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, शहर में

पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था में सुधार, यात्री बसों के शहर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने और अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर भी बैठक में विचार विमर्श हुआ। इस के साथ ही नवनिर्मित राँझी में स्टेडियम का नामकरण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वरदास रोहाणी खेल परिसर के नाम पर करने तथा पनागर जनपद पंचायत के ग्राम खिरियाकला के शासकीय हाई स्कूल का नाम इस स्कूल के लिए जमीन दान करने वाली श्रीमती राधिका पटेल एवं श्रीमती लक्ष्मी पटेल के नाम करने के प्रस्ताव का अनुमोदन भी बैठक में किया गया।

बैठक में राज्य सभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे एवं विधायकगण मौजूद थे।

एमएसएमई इकाइयों को सक्षम बनाने के लिए ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग विषय पर कार्यशाला हुई

भोपाल (नप्र)। एमएसएमई इकाईयों को सपोर्ट करने के लिए ट्रेड्स यानि टीआरईडीएस प्लेटफार्म पर राज्य शासन के विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों को खरीददारों के रूप में आन-बोर्डिंग के लिए गुरूवार को पंचानन भवन में संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। भारत सरकार द्वारा स्थापित ट्रेंड रिसीवेबल्स डिसकाउंटिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। यह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को व्यापार प्राप्तियों के लिए वित्त पोषण जैसी सुविधा देने वाला मंच है। कार्यशाला में सभी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी उपस्थित थे।

एक दिवसीय कार्यशाला में बताया गया कि भारत सरकार की अधिसूचना के अंतर्गत पंजीकृत सभी कंपनिया, जिनका कारोबार 250 करोड़ रूपये से अधिक है और सभी केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थापित ट्रेंड्स प्लेटफार्म पर आन-बोर्ड अथवा पंजीयन करवाने के निर्देश दिए गए है। विभागों तथा सार्वजनिक उपक्रमों को इस प्लेटफार्म से जोड़ने का उद्देश्य एमएसएमई तथा स्टार्ट-अप्स को उनके देयकों का समय पर भुगतान करना है जिससे उनकी नकद तरलता बनी रहे।

ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बिल डिस्काउंटिंग के माध्यम से उनके द्वारा प्रदाय की गयी वस्तुओं और सेवाओं के लिए तत्काल भुगतान की सुविधा देता है, जो कार्यशील पूंजी के प्रवाह को सक्षम बनाता है। जब कोई विक्रेता ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम प्लेटफॉर्म पर इनवॉइस अपलोड करता है, तो यह स्वीकृति के लिए खरीदार के पास जाता है। जब यह इनवॉइस किसी खरीदार द्वारा स्वीकृत कर ली जाती है, तो ये इनवॉइस नीलामी में जाता है तथा वित्तीय संस्थान विभिन्न छूट की दरों को उद्धृत कर सकता है। अगले कार्य दिवस में राशि विक्रेता को प्रदाय कर दी जाएगी। इसके बाद खरीदार फाइनेंसर को भुगतान करेगा। ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम प्लेटफॉर्म ऑपरेटर Payment and Settlement Systems Act, 2007 के अंतर्गत रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया के द्वारा अधिकृत हैं। प्रतिभागियों को ट्रेडस से जुड़े तीन विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर एमएसएमई विभाग की उप सचिव सुश्री रूही खान एवं संयुक्त संचालक श्री पंकज दुबे भी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में 14 हजार से अधिक बिजली प्रकरणों में दी गयी 4 करोड़ की छूट

भोपाल(नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि गत दिनों आयोजित नेशनल लोक अदालत में बिजली से संबंधित 14 हजार 864 प्रकरणों का आपसी समझौते से निराकरण कर 4 करोड़ रुपये से अधिक की छूट दी गयी है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में 7 हजार 227 प्रकरणों का निराकरण करते हुए विद्युत उपभोक्ताओं को एक करोड़ 66 लाख 27 हजार रुपये की छूट प्रदान की गयी है। कम्पनी के खाते में 9 करोड़ 76 लाख रुपये का राजस्व भी जमा कराया गया। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी क्षेत्र में 5 हजार 363 प्रकरण निराकृत हुए हैं। इनमें बिजली उपभोक्ताओं को एक करोड़ 46 लाख रुपये की छूट दी गयी है। कम्पनी को लगभग 8 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। इसी तरह पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के जिलों में 2 हजार 274 प्रकरणों का निराकरण कर करीब 98 लाख रुपये की छूट बिजली उपभोक्ताओं को दी गयी है। कम्पनी को लगभग 4 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि कम्पनियों द्वारा वितरण केन्द्र स्तर तक लोक अदालत के लिए प्रभावी तैयारी की गई थी। लोक अदालत में विद्युत अधिनियम-2003 की धारा-135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों में समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन के माध्यम से निराकरण के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट प्रदान की गई। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट मिली, जबकि लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट की तैयारी की गई थी।

विश्व बैंक की मदद से संचालित परियोजनाएं समय से पूरी हों : एमडी भोंडवे

विश्व बैंक प्रतिनिधि मंडल ने की प्रबंध संचालक श्री भोंडवे से भेंट

भोपाल (नप्र)। विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम, मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के आयुक्त सह प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे से भोपाल के पालिका भवन में सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान श्री भोंडवे ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि विश्व बैंक की सहायता से संचालित परियोजनाएं उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ क्रियान्वित की गई हैं और शेष निर्माण कार्य भी तीव्र गति से पूर्ण किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में संचालित योजनाओं को निश्चित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

विश्व बैंक की सहायता से मध्यप्रदेश में विभिन्न शहरी अधोसंरचना परियोजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनमें धरमपुरी, भेड़ाघाट और शाजापुर में सीवरेज परियोजनाओं को पूरा किया जा चुका है, जबकि छिंदवाड़ा सीवरेज परियोजना अंतिम चरण में है और शहडोल में यह कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके अलावा बुरहानपुर और खरगौन में जल प्रदाय परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी

हैं और सेवढ़ा जल प्रदाय परियोजना पर कार्य तेजी से किया जा रहा है।

बैठक में विश्व बैंक मिशन की ओर से श्री रघु केशवन, श्री रिद्धिमान साहा, सुश्री ज्योति नायर और श्री डी.एम. मोहन ने भाग लिया। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की ओर से प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह और उप परियोजना संचालक (तकनीकी) श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने प्रतिनिधिमंडल को परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्रदान की। मिशन के समन्वय की जिम्मेदारी तकनीकी अधिकारी श्री कमलेश भटनागर द्वारा निभाई गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप आनंद की अनुभूति और हर्षोल्लास से करेंगे श्रद्धालुओं का स्वागत

सिंहस्थ की आनंदमयी तैयारियों के लिये भोपाल में अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सिंहस्थ-2028 के अवसर पर माँ क्षिप्रा के पावन स्नान के लिये उज्जैन पधारने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के आनंदमयी महाकुंभ स्नान के लिये अधिकारियों का त्रि-दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का गुरूवार को समापन हुआ। इस अवसर पर राज्य आनंद संस्थान भोपाल निदेशक श्री सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि आप अपने काम पर गर्व करें और जिंदगी को गरिमामयी बनाकर जीवन को आनंद के साथ जिये। उन्होंने नैतिक मुल्यों पर आधरित जीवन यापन में और प्रशासनिक क्षेत्र में बेहतर माहौल और समन्वय बनाय रखने की बात कहीं। निदेशक श्री आर्य प्रशासन अकादमी में आयोजित त्रि-दिवसीय प्रशिक्षिण सत्र में उज्जैन संभाग के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

राज्य आनंद सास्थान के निदेशक श्री आर्य ने कहा कि हमें अपने सारे काम विवेक के साथ करना है, परंतु उसके साथ आनंद का समावेश होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे कार्य जिसमें आनंद न हो, उसे आनंद मूल्य की परिधी में नहीं रखा जा सकता। काम ऐसा करें दूसरों के लिये प्रेरणादायी हो।

मौन से बड़ा कौन

प्रशिक्षण सत्र में मौन के महत्व के महत्व पर विचार रखते हुए वक्ताओं ने आत्म शांति के लिये मौन के महत्व को बताया। प्रातः 7 बजे से योगाभ्यास से प्रारंभ प्रशिक्षण में गुरूवार को सत्र के अंतिम दिन 7:30 बजे से 11 बजे तक मौन रखा गया। 3:30 घंटे मौन रखकर मौन से बड़ा कौन-6 वाक्य के महत्व को प्रैक्टिकली समझाया गया। शाम को छोटे-छोट ग्रुप बनाकर स्वयं को समझने, आत्मचिन्तन की कला के साथ जीवन मुल्यों को कैसे जिया जाये आदि प्रशिक्षण सत्र के प्रमुख भाग रहे। वीडियो फिल्म के माध्यम से मन की स्वच्छता को बढ़ाने का संदेश दिया गया।

उज्जैन से आए मास्टर ट्रेनर डॉ. प्रवीण जोशी ने कहा कि, सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर इस प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों को अल्पविराम का विस्तृत परिचय, लाइफ बैलेंस शीट, मेरे रिश्ते, चिंता का दायरा प्रभाव का दायरा, फ्रीडम ग्लास जैसे टूल्स से प्रतिभागियों को परिचय कराया गया है। कार्यशाला में उज्जैन संभाग के प्रमुख और जिले प्रमुख लगभग 40 प्रतिभागी उपस्थित हुए। विभिन्न सत्रों में संस्थान के मास्टर ट्रेनर डॉ. समीरा नईम देवास से, डॉ. प्रवीण जोशी उज्जैन से, संजय पांडेय उमरिया से, शिरीष सुमन शर्मा शाजापुर से, डॉ. अमित मुखर्जी पंचगनी से, अजीत महतों भोपाल से विशेष उपस्थित रहे।

भोपाल नगर निगम के पुनरीक्षित बजट पर कांग्रेस का विरोध

पार्षदों ने की प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन से मुलाकात, बजट पास नहीं करने की मांग

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम के वित्त वर्ष 2024-25 के पुनरीक्षित बजट को लेकर अब कांग्रेस पार्षद विरोध में उतर आए हैं। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों ने नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव से मुलाकात की। उन्होंने बजट को नियम के विपरीत बताते हुए इसे पास नहीं करने की मांग की है।

पार्षदों ने मुख्य सचिव संजय शुक्ला से नगर निगम में हुई वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए कमेटी गठित करने की भी मांग की। पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, देवांशु कंसाना भी मौजूद थे।

निगम ने सरकार को मंजूरी के लिए भेजा- बता दें कि हाल ही में नगर निगम ने पुनरीक्षित बजट को मंजूरी के लिए शासन को भेजा है। यह बजट मंजूर होने के बाद ही

पिछले वित्त वर्ष के बकाया बिलों का पेमेंट हो सकता है। इसमें जीआईएस के दौरान हुए काम भी शामिल हैं। 3 अप्रैल को हुई निगम परिषद बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के साथ 2024-25 का पुनरीक्षित बजट भी पेश हुआ था, लेकिन बैठक के एजेंडे में इसका जिक्र नहीं था।

महापौर मालती राय ने भी अपने भाषण में पुनरीक्षित बजट का जिक्र नहीं किया था। इस आधार पर परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बैठक के मिनट्स में पुनरीक्षित बजट को स्वीकृत करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने सिर्फ वित्त वर्ष 2025-26 के पेश बजट को ही मंजूर किया था। इसके बाद निगम ने पुनरीक्षित बजट को मंजूरी के लिए शासन स्तर पर भेजा है।

संपादकीय

गूंज बांग्लादेश में भी!

भारत के पाक आतंकियों के खिलाफ चलाए सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के धमाके बांग्लादेश में भी सुनाई दे रहे हैं। वहां की अंतरिम मोहम्मद युनूस सरकार ने पूर्व में सत्तारूढ़ रही शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी को बैन कर दिया है। शायद युनूस सरकार इस आंशका से घिर गई है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के बाद भारत कहीं बांग्लादेश पर नजर न डाल दे। उधर बांग्लादेश की एक और बड़ी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया विदेश से इलाज करवाकर स्वदेश लौट आई हैं। इस बीच छात्रों की एक नई राजनीतिक पार्टी 'गणतांत्रिक छात्र संसद' भी अस्तित्व में आ गई है। दरअसल पड़ोसी देश में यह सारी उठापटक डेढ़ दशक तक सत्ता में रही और भारत की दोस्त मानी जाने वाली शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को सत्ता से बाहर रखने की कवायद का अहम हिस्सा है। पिछले साल जुलाई में जब शेख हसीना को सत्ता से बाहर किया गया था, तब बनी अंतरिम सरकार ने कहा था कि वह दो माह में चुनाव कराएगी। लेकिन 10 माह बाद भी वह ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई है। इस बीच शेख हसीना भारत में शरण लिए हुए हैं और अंतरिम सरकार भारत से दुश्मनी पालकर अपना ही नुकसान किए जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि बांग्लादेश में अवामी लीग ही सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी रही है। देश को आजाद कराने में उसकी बड़ी भूमिका रही है। अवामी लीग का रवैया समावेशी और अपेक्षाकृत उदार रहा है। इसलिए अल्पसंख्यकों का भी उसे काफी समर्थन मिलता रहा है। लेकिन शेख हसीना को हटाने के बाद बांग्लादेश पर इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतों का कब्जा हो गया है, जो बांग्लादेश को प्रगतिशील राष्ट्र की जगह धार्मिक राज्य में बदलना चाहते हैं। अमेरिका और पाकिस्तान के षड्यंत्र के चलते इन तत्वों ने देश पर कब्जा कर लिया है। शेख हसीना हटाओ आंदोलन के दौरान हिंदुओं के साथ साथ अवामी लीग के नेताओं पर भी हिंसक हमले हुए। उनकी हत्याएं कर दी गई। कहा गया कि बांग्लादेश अब बदल चुका है। लेकिन ऐसे तत्वों को आम बांग्लादेशी का समर्थन कितना है, यह कोई नहीं जानता। कट्टरपंथियों के सत्ता में बने रहने के लिए जरूरी है कि अवामी लीग जैसी जनाधारवाली पार्टियां चुनाव में शामिल न हों। युनूस सरकार का अवामी लीग पर बैन लगाने का फैसला इसी से प्रेरित है। यदि इस पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है तो वह चुनाव में भाग नहीं ले पाएगी। हालांकि अवामी लीग ने कहा है कि वह आसानी से राजनीतिक मैदान नहीं छोड़ेगी। पार्टी ने कहा कि यह देश में तानाशाही की पराकाष्ठा है। पार्टी ने दुनियाभर के लोकतांत्रिक देशों से इस फैसले की निंदा करने की अपील की है। पार्टी ने अपने एक बयान में कहा कि कहा कि हम फासीवादी तानाशाह यूनुस सरकार के फैसले को घृणा के साथ खारिज और विरोध करते हैं। अवामी लीग फासीवादी यूनुस सरकार के फैसले की अवहेलना करते हुए उचित तरीके से अपनी गतिविधियां जारी रखेगी। बहरहाल अवामी लीग पर बैन और पार्टी के इसके खिलाफ विरोध से बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है। अवामी लीग पर बैन से प्रतिद्वंद्वी बीएनपी की राह आसान हो सकती है। हालांकि बीएनपी का रवैया भी भारत विरोधी रहा है, लेकिन कट्टरपंथी तत्वों की तुलना में वह ज्यादा संतुलित और समझदार है। कहा तो यह भी जा रहा है कि वर्तमान में सत्तासीन अंतरिम सरकार के मुख्या सलाहकार, अर्थशास्त्री 84 वर्षीय मोहम्मद युनूस खुद ही सत्ता में लंबे समय तक बने रहना चाहते हैं। इसलिए अवामी लीग को खत्म करने की योजना पर काम कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करना आसान नहीं है।

आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेन्स का वैश्विक स्वागत

पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमी यह है कि उसने कभी माना ही नहीं कि उसकी भूमि का उपयोग करके आतंकवाद फल-फूल रहा है. जिसका खामियाजा पूरे विश्व को भुगतना पड़ रहा है. भारत ने जब उसके आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और आतंक के खिलाफ अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए हवाई हमले कर दिया तो अब किसी सबूत की आवश्यकता रही ही नहीं, कि पाकिस्तान शासित व पाकिस्तान अधिकृत भूमि पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है. भारत की इस कार्रवाई का सबसे अहम् परिणाम यह निकल कर आया है कि विश्व के कई देशों से परोक्ष या प्रत्यक्ष समर्थन भारत को मिल रहा है और पाकिस्तान के मंसूबे की पुरजोर निंदा भी हुई है.

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

भारत ने आतंकवाद के बारे में बड़ी कार्रवाई करके विश्व में व्याप्त आतंकवाद से लड़ने की मिसाल पेश की है. अपनी सहिष्णु संस्कृति के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध भारत ने यह बता दिया है कि आतंकवाद समस्या है, लेकिन इसका निदान भी है. उसे कैसे ख़त्म किया जा सकता है उसका एक ही विकल्प है कि आतंक के खिलाफ पहले स्वयं को खड़ा करना पड़ेगा. पहलगाम में हुई आतंकी घटना के बाद पूरे विश्व में भारत के अगले कदम की प्रतीक्षा थी. भारत व भारत के नेतृत्व ने अपनी आतंक के खिलाफ़ कार्रवाई करने के साथ यह बता दिया है कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत ज़ीरो टॉलरेन्स में रूचि रखता है.

पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमी यह है कि उसने कभी माना ही नहीं कि उसकी भूमि का उपयोग करके आतंकवाद फल-फूल रहा है. जिसका खामियाजा पूरे विश्व को भुगतना पड़ रहा है. भारत ने जब उसके आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और आतंक के खिलाफ अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए हवाई हमले कर दिया तो अब किसी सबूत की आवश्यकता रही ही नहीं, कि पाकिस्तान शासित व पाकिस्तान अधिकृत भूमि पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है. भारत की इस कार्रवाई का सबसे अहम् परिणाम यह निकल कर आया है कि विश्व के कई देशों से परोक्ष या प्रत्यक्ष समर्थन भारत को मिल रहा है और पाकिस्तान के मंसूबे की पुरजोर निंदा भी हुई है.

पहलगाम की आतंकवादी घटना के बाद भारत की नरेंद्र मोदी सरकार व भारतीय सैन्य बल द्वारा शौर्यपूर्ण कार्रवाई हुई, इसका खूब स्वागत किया गया. भारतीय दृष्टि में भारत के लिए आतंक के खिलाफ़ ज़ीरो टॉलरेन्स के लिए यह कार्रवाई अनिवार्य और ज़रूरी थी. उसने किसी भी सिविलियन प्लेस या किसी सैन्य क्षेत्र में कार्रवाई शुरुआती दौर में नहीं की, यह उसकी मानवीय संवेदना मानी गई. भारत इससे यह साबित भी कर दिया कि हमारी लड़ाई केवल और केवल आतंक की समस्या के खिलाफ़ है किसी देश से नहीं है. यद्यपि पाकिस्तान भारत की कार्रवाई के बाद ज़वाबी कार्रवाई किया. अच्छा होता कि वह ज़वाबी कार्रवाई से बचता. भारत को मजबूरन अपने नागरिकों की प्रतिरक्षा में उचित कदम उठाने पड़े तो पाकिस्तान ने इस कार्रवाई को भ्रमपूर्ण प्रचारित किया. ड्रोन भेजे, मिसाइलें दागी, सीमा क्षेत्र में रह रहे भारतीयों पर गोलीबारी की. यद्यपि, भारत के पराक्रमी सैन्य बल ने उसके सभी अमानवीय, असंवेदनशील, कार्रवाइयों को विफल करके भारतीय मस्तक को ऊंचा किया और पाकिस्तान किसी भी मंसूबे में सफल नहीं हो सका.

सर्वविदित है कि भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु हथियार संपन्न देश हैं. भारत-पाक के बीच बढ़ रहे तनाव, संघर्ष व द्वेष अब युद्ध की ओर बढ़ रहे थे. संयम और अनुशासन युद्ध व संघर्ष की स्थिति में स्टेट द्वारा किनारे कर दिए जाते हैं. यह भयानक मानवाधिकारों के हनन की ओर दोनों देशों का बढ़ना भारत एवं पाकिस्तान के आम नागरिकों के लिए लम्बे समय तक परेशानी का सबब बनने वाला था कि संघर्ष विराम की घोषणा हुई और दोनों देशों के नागरिक राहत की सांस लिए. सबको पता है कि इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल ने दोनों देशों को एहतियात बरतने की अपील की थी. सिक्योरिटी काउंसिल व संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने बार-बार यह अपील की कि पहलगाम हमले के लिए ज़िम्मेदारों को विश्वसनीय, और क़ानूनी उपायों के ज़रिए, न्याय के कटघरे में लाना चाहिए एवं भारत व पाकिस्तान के बीच टकराव मोल नहीं लिया जा सकता, जो न केवल भारत पाकिस्तान के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए त्रासदीपूर्ण होगा. हालांकि, इस अपील के बाद भी भारत ने स्पष्ट किया कि हम ज़ीरो टॉलरेन्स चाहते हैं क्योंकि आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई है. हाँ, पाकिस्तान ने पलटवार करके भारत की आतंकवाद की चिंता को अनसुना किया और शांति के लिए कदम आगे नहीं बढ़ाया, जिस पर कुछ देशों को अगर छोड़ दें तो पूरे विश्व में नाराज़गी व्यक्त की गई, सबसे बड़ी बात यह है.

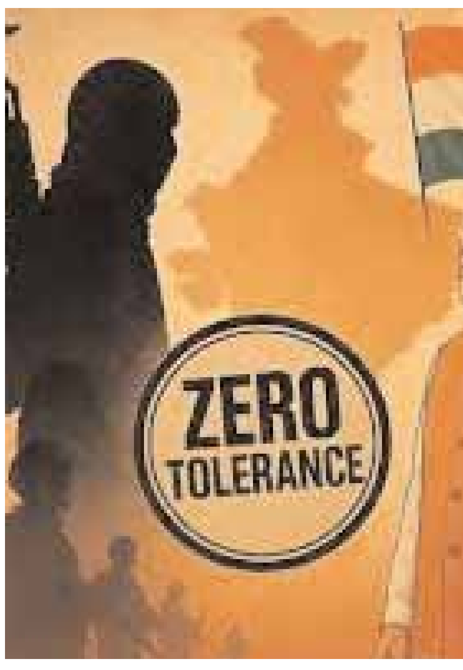

इतिहास की ओर दृष्टि डालें तो पता चलता है कि विश्व में शांति की प्रक्रिया जहाँ कहीं भी रुकी हुई है, उसका सबसे अहम् कारण यही है कि स्टेट्स अपनी संप्रभुता को समृद्धि देने के बजाय अपने पड़ोसी के साथ अंतर्संघर्ष में जुट जाते हैं और देश की अच्छी भली पटरी पर दौड़ रही आर्थिकी को बर्बाद कर देते हैं. भारत और पाकिस्तान में यही आज हुआ है, मानें या न मानें. दोनों देशों ने कई बिलियन आर्थिक नुकसान ड्रोन, मिसाइल व हथियारों में कर लिया है, मिला कुछ भी नहीं. इसमें पाकिस्तान की सबसे बड़ी गलती यह है कि वह कोई भी जिम्मेदारी आतंकवाद के खात्में के लिए लेना नहीं चाहता. उसने बस जिद पकड़ रखी है की, उसकी ओर से आतंकवाद जैसी समस्या को सह नहीं दी जा रही है, जबकि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान में कितने आतंकवादी कैंप अस्तित्व में हैं और वे क्या कर रहे हैं. ऐसे में पहलगाम में हुई आतंकी घटना में 26 लोगों की बेरहमी से की गयी हत्या ने इतने बड़े संघर्ष को जन्म दिया और दो देशों के बीच आपसी संबंध इस कदर ख़राब हुए की दोनों ने अब युद्ध के मोहाने पर अपने आपको खड़ा कर लिया. शांति का सिद्धांत कहता है कि शांति के लिए तो स्टेट्स को सह-अस्तित्व के साथ आगे आना पड़ता है. अब जब भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद जैसी समस्या को कुचलने का सामूहिक प्रयत्न नहीं हो रहा है अपितु एक दूसरे से संघर्ष के लिए दोनों देश आगे बढ़ेंगे, चाहे जिस भी परिस्थिति में, तो ऐसे में, शांति की जगह व्यापक पैमाने पर मानवाधिकारों का हनन होना तय है और व्यापक पैमाने पर हिंसा को ही प्रश्रय मिलेगा.

भारत व पाक के डीजीएमओ लेवल पर हुई वार्ता से संघर्ष विराम पर सहमति जो बनी उससे शांति के मार्ग खुले लेकिन सैन्य कार्रवाई पर रोक के वादे से मुकरते पाकिस्तान की छवि विश्व स्तर पर ख़राब हो रही है, पाकिस्तान माने या न माने. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम लागू करने पर हुई सहमति का स्वागत किया, इसे मौजूदा तनातनी में कमी लाने की दिशा में एक सकारात्मक क़दम बताया. लेकिन यदि पाकिस्तान ने अपनी ओर से एहतियात नहीं बरता तो क्या होगा, चिंता की बात यह है. युद्ध से भली शांति, यह दोनों देश जानते हैं लेकिन फिर भी पाकिस्तानी मिजाज़ यदि संघर्ष विराम के विरुद्ध अपनी विभिन्न गतिविधियों को जारी रखेंगे तो भारत की नरेंद्र मोदी सरकार की मज़बूरी होगी कि वह अपने विरुद्ध किये जा रहे किसी भी प्रयास का माकूल ज़वाब दे. आज पूरी पृथ्वी पर आतंकवाद की वजह से पाकिस्तान की छवि ख़राब हुई है और यह एक बड़ा सच है कि नरेंद्र मोदी सरकार को विश्व स्तर पर उनके आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेन्स को व्यापक समर्थन मिला है. यह भारत की अपने आप में बड़ी जीत है. विश्व में आतंकवाद ने वीभत्स हिंसा की है. पाकिस्तान के साथ खड़े टर्की व चीन के लिए यह सवाल मन में आता है कि क्या मानवता के बरक्स उनके लिए दूसरे देशों में अस्थिरता, तनाव व संघर्ष इतने अहम् हैं?

विश्व में शांति चाहने वाले अधिकांश देशों से डरे हुए ये देश अपने मंसूबे में कामयाब नहीं होंगे. भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को ये देश नकार सकने में सक्षम हैं ही नहीं. विश्व ने तो भारत व भारत की नरेंद्र मोदी सरकार के ही शांति नीति का स्वागत किया है. विश्व में शांति का पैरोकार भारत इसलिए अजेय है और अजेय बना रहेगा क्योंकि विश्व को यह पता है कि आतंक से सबका विनाश तय है और शांति से सबकी समृद्धि.

सोशल मीडिया की सभ्यता पर संकट

सामयिक

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

सभ्यता की सरजमीं पर जब संवाद की दीपशिखा जलती है, तो समाज में विवेक, सहिष्णुता और शांति की परछाइयाँ गहराने लगती हैं। भारत जैसे देश, जिसकी सांस्कृतिक परंपराएँ सहिष्णुता, विनम्रता और मर्यादित भाषा की बुनियाद पर खड़ी हैं, वहाँ यदि कोई ऐसा वातावरण बन जाए जहाँ शब्दों के तीखे बाण, गालियों की आग और अशालीन टिप्पणियों का बोलबाला हो जाए, तो निश्चय ही वह देश की आत्मा को घायल कर देता है। आज यही पीड़ा हमें सोशल मीडिया के गलियारों में देखने को मिलती है। यह वह स्थान होना चाहिए था जहाँ विचारों का मंथन होता, यथार्थ का सृजन होता और भविष्य की दिशा तय होती, परन्तु अफ़सोस! यह अब एक ऐसा मंच बन चुका है जहाँ गाली-गलौज, अपमान और अशोभनीयता की गर्जना सुनाई देती है। एक ऐसा 'गाली तंत्र' स्थापित हो गया है जिसने डिजिटल संवाद की आत्मा को अपहरण कर लिया है।

गाली तंत्र की उत्पत्ति और राजनीतिक संदर्भ

गाली तंत्र कोई एक दिन में नहीं पनपा। यह एक लंबी प्रक्रिया का दुष्परिणाम है, जिसकी जड़ें आधुनिक राजनीतिक प्रचार-प्रसार में गहराई तक धँसी हुई हैं। जब डिजिटल युग ने दस्तक दी, तब राजनीतिक दलों ने इसकी शक्ति को पहचाना और अपनी-अपनी आईटी सेल की नींव रखी। इस तकनीकी उपकरण का प्रारंभिक उद्देश्य जनमत को प्रभावित करना, नीतियों का प्रचार करना और विरोधियों को तथ्यों से उत्तर देना था। परंतु धीरे-धीरे यह सशक्त साधन विकृत होता चला गया।

सबसे पहले इस तंत्र का राजनीतिक प्रयोग भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया गया, जब नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के अभियान में डिजिटल प्लेटफार्म का जबरदस्त उपयोग हुआ। उस समय यह आईटी सेल एक चतुर प्रचार माध्यम के रूप में कार्यरत था। किंतु सत्ता की प्राप्ति के बाद, जब विरोध की आवाजें उठीं, तब इस तंत्र ने आलोचना का उत्तर तर्कों से नहीं, अपशब्दों से देना शुरू किया। राहुल गांधी, सोनिया गांधी जैसे नेताओं के विरुद्ध निरंतर अशालीन टिप्पणियाँ और चरित्र हनन करने वाले अभियानों की बाढ़ सी आ गई। इससे प्रेरित होकर अन्य दलों ने भी अपने-अपने आईटी सेल गठित किए। और इस प्रकार, एक ऐसा घातक चक्र शुरू हुआ, जिसमें विचारों की जगह अब अपमान और आक्रोश की भाषा ने ले ली।

गाली तंत्र की आत्मघाती प्रवृत्ति

विडंबना देखिए कि जिस आईटी तंत्र का निर्माण किसी नेता को ऊँचाई तक पहुँचाने के लिए हुआ था, वही तंत्र आज उसी नेता, उसके सहयोगियों और अधिकारियों पर गाली बरसाने में व्यस्त है। हाल ही में, जब सीजफायर की घोषणा हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री जैसे शीर्ष पदों पर आसीन व्यक्तियों की भूमिका सामने आई, तब भी सोशल साइट्स पर गालियों की झड़ी लग गई। यह एक भयावह संकेत है कि यह गाली तंत्र अब किसी की सीमा में नहीं रहा। यह एक अनियंत्रित अग्निशिखा की भाँति, अब अपने ही निर्माता को जलाने पर आमादा है।

यह एक आत्मघाती व्यवस्था बन गई है, जहाँ आलोचना और असहमति का उत्तर अब सभ्य संवाद से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत हमलों और गंदे शब्दों से दिया जाता है। इससे राजनीतिक संस्कृति की गरिमा तो गिरती ही है, साथ ही आम जनमानस का सोशल मीडिया से भरोसा भी डगमगाने लगता है।

सामाजिक संस्कृति पर प्रभाव

भारत वह देश है जहाँ शब्दों को वाणी का श्रृंगार कहा जाता है, जहाँ वाद-विवाद की परंपरा नालंदा और तक्षशिला से होती हुई संसद तक पहुँची थी। ऐसे देश में यदि कोई सामान्य नागरिक अपने विचार सोशल मीडिया पर रखने से डरने लगे, तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पराजय भी है।

आज आमजन किसी भी पोस्ट पर कमेंट करने से पहले दस बार सोचता है, कहीं उस पर गालियों की बौछार न हो जाए। ऐसा भय तब और गहरा हो जाता है जब गालियाँ केवल गाली देने तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि व्यक्ति के धर्म, जाति, परिवार, यहां तक कि स्त्री-सम्मान तक को रौंदती हैं। यह सभ्यता की कब्रगाह है, जहाँ संवाद की आत्मा को गाली तंत्र के काले पर्दे में दफनाया जा रहा है।

सोशल मीडिया की साख पर संकट

सोशल मीडिया का भविष्य इस गाली तंत्र के शिकंजे में है। वह स्थान जो सामाजिक जागरूकता, विचार-प्रवाह, लोकतांत्रिक विमर्श और नवाचार का माध्यम होना चाहिए था, अब नफरत और विद्वेष का बाजार बन चुका है। यह स्थिति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे डिजिटल लोकतंत्र के लिए एक खतरे की घंटी है।

एक समय था जब सोशल मीडिया ने 'अरब स्प्रिंग' जैसे आंदोलनों को जन्म दिया था, परंतु आज यही माध्यम लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रहा है। अब यह किसी सशक्त विचार या नीतिगत विमर्श का स्थान नहीं, बल्कि ट्रोल आर्मी और डिजिटल गुंडागर्दी का अखाड़ा बन चुका है।

अब समय आ गया है कि हम इस गाली तंत्र के विरुद्ध आवाज उठाई जाए। हमें यह समझना होगा कि असहमति और आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है, परंतु अशिष्टता, अपमान और अभद्रता उसकी हत्या है। प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी विचारधारा से जुड़ा हो, उसे यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि संवाद की भाषा को सभ्यता से सजाए, असहमति को मर्यादा से व्यक्त करे और सोशल मीडिया को फिर से उस उजाले की ओर ले जाए जहाँ विचारों की दीपशिखा जलती हो, न कि गालियों की आग।

संवाद का सम्मान ही भारत की आत्मा है। हमें उसे जीवित रखना होगा, वरना वह दिन दूर नहीं जब शब्दों का यह पवित्र माध्यम केवल शोर का स्रोत रह जाएगा। और तब, हम सब मौन होकर इस गाली तंत्र की राख में अपने भविष्य को खोजते रहेंगे।

आतंकवाद की टेढ़ी दुम से डोडो नाराज

कटाक्ष

सुदर्शन सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जब से टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर यह मुहावरा चला है कि 'पाकिस्तान का आतंकवाद कुत्ते की टेढ़ी दुम जैसा है, जो बारह साल नली में डालो तो भी सीधा नहीं होता,' मेरे पालतू डॉगी 'डोडो' का आत्मसम्मान आहत हो गया है। उसने न सिर्फ खाना छोड़ दिया, बल्कि मुझसे पूछ हिलाना और नजर मिलाना भी बंद कर दिया है।

डोडो का तर्क है - 'हमने वफादारी को जीवन-दर्शन बनाया और आप हमें उस मुल्क की सोच से जोड़ रहे हैं जो हर दिन आतंकियों को भेजता है और फिर झूठ की प्रेस कांफ्रेंस करता है।' उसकी आंखों में गुस्सा और चोटिल आत्मसम्मान साफ दिखता है। सच मानिए, उसकी इस नाराज़गी ने मुझे भी सोचने पर मजबूर कर दिया।

कुत्ते जान दे सकते हैं लेकिन गद्दारी नहीं करते, और पाकिस्तान...? वह आतंकवाद को पालता-पोसता है, फिर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कहता है कि 'हम सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।' सवाल उठता है कि जब आस्तीन में आतंक के सांप पाल रहे थे, तब ज़मीर किसने निगल लिया था?

हमारे देश में जहां कुत्ते घर की रखवाली करते हैं, वहां पाकिस्तान में आतंकी राष्ट्र की नीति और सेना की रणनीति बन गए हैं। उनके जनाज़ों में बड़े अफसर शामिल होते हैं, उन्हें 'शहीद' कहा जाता है। ऐसे में डोडो की नाराज़गी वाजिब है–एक सजग चेतना की प्रतीक।

उसका मौन प्रश्न है - 'क्या वफादारी की कीमत इतनी गिर गई कि आतंक परस्त मुल्क के बराबर रख दिया?' अब मैं भी सोचता हूं कि हमें कहना चाहिए था - 'पाकिस्तान की सोच वह बारूद लिपटी रेखा है जो न सुधरती है, न रुकती है।'

डोडो कहता है - 'हम भौंकते हैं तो देश-समाज के लिए, वो बम फेंकते हैं रिहायशी इलाकों में।' पाकिस्तान संघर्षविराम की भीख मांगता है, फिर उसी दिन सीज़फायर तोड़ देता है। यही अंतर है वफादारी और आतंक में।

डोडो की राय में अब हर टेढ़ी चीज़ को कुत्ते की दुम कहना बंद होना चाहिए। अगर पाकिस्तान की फितरत टेढ़ी दुम है, तो अब उसे 'डिस्लोकेट' करने का समय आ गया है।पाकिस्तान की दुम अब अंतरराष्ट्रीय दबाव, आर्थिक नकेल और ऑपरेशन सिंदूर जैसी ठोस रणनीति से ही सीधी हो सकती है। आतंक वहाँ का 'कुटीर उद्योग' है और झूठ उनका 'विदेश मंत्रालय'।

आज जब दुनिया टेक्नोलॉजी और नवाचार में निवेश कर रही है, पाकिस्तान अब भी जेहाद में निवेश कर रहा है। उनकी पसंदीदा नीति है- 'झूठ बराबर तप नहीं, और साँच बराबर पाप नहीं।'

डोडो ने दुम से जुड़ी और भी कई बातें कहीं। मसलन, 'मुंबई जैसे शहरों में जगह की कमी के कारण हमारे साथी अब ऊपर-नीचे दुम हिलाते हैं।' वहीं इंसान - बिना दुम के भी - हर बड़े के सामने दुम हिलाने में पीछे नहीं रहता। जैसे अफसर मंत्री के सामने, मातहत बॉस के सामने।

अब डोडो का अल्टीमेटम है - 'अब 'कुत्ते की मौत मरना' या 'कुत्ते की तरह लड़ना' जैसे मुहावरे नहीं चलेंगे। यदि हम सारे कुत्ते एकसाथ भौंकने लगें, तो ध्वनि प्रदूषण से ही मानव जाति का जीना हराम हो जाएगा - जैसे चंद आतंकवादियों ने पूरी दुनिया का सुख चैन हराम कर रखा है।'

अंत में डोडो का आग्रह - 'हम वफादारों की जात को 'आतंकिस्तान' की हरकतों से मत जोड़िए। नहीं तो हम कुत्ते भी लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट होकर विरोध में भौंकना शुरू कर देंगे।'

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

टीवी की दादी, इस्लामाबाद की सवारी

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बचपन में दादी कहती थीं, 'बेटा, खबरें सुनना एक संस्कार है।' तब खबरों में बड़बड़ाहट नहीं, गंभीरता होती थी। दूरदर्शन पर रुक-रुक के बोलती समाचार वाचिका की सधी हुई आवाज़ जैसे देश की नब्ज़ बताती थी। कैमरा स्थिर, वाचक सधा हुआ और दर्शक चुप। अब तो खबरें टीवी से कूद कर मोबाइल में आ गईं, और मोबाइल से दिल-दिमाग में ऐसे घुस गईं कि हम न सो पाते हैं, न चैन से सोच पाते हैं।

अब तो आलम ये है कि एक दिन चाय की चुस्की लेते हुए जैसे ही न्यूज़ चैनल खोला, एंकर ऐसे चिल्लाया जैसे बम फट गया हो –

'ब्रेकिंग न्यूज़! हमारी मीडिया इस्लामाबाद पहुँच गई!'

मैं चौंका।

गौर से देखा – नहीं भाई, कोई संवाददाता नहीं, बस कैमरे पर एक नीली पगड़ी वाला एंकर और पीछे स्क्रीन पर इस्लामाबाद की धुंधली तस्वीर। कुछ सेकंड बाद पीछे शेर के गुर्राने की आवाज़ आई, और ग्राफ़िक्स में चमचमाते अक्षरों में लिखा था – 'भारत की हुंकार पाकिस्तान के द्वार!'

मैंने पंखा बंद किया, ताकि ये तय कर सकूं कि गर्मी की वजह से भ्रम हो रहा है या वाकई हमारी मीडिया अंतरराष्ट्रीय सीमा लांघ गई।

अब याद आया – दादी एक कहानी सुनाया करती थीं, 'एक बार एक कौआ उड़ते-उड़ते लंदन पहुँच गया। सब चकित हो गए। लेकिन जब पूछा गया कि क्या देखा, तो बोला – बस जलेबी के रंग की लाइटें और उल्टे चलने वाली गाड़ियाँ।' वही हाल इस न्यूज़ चैनल का भी था। कैमरा दिखा रहा था – 'लाइव फ्राम इस्लामाबाद', और पीछे किसी होटल का दरवाज़ा जो भोपाल की 'लक्ष्मी होटल' जैसा लग रहा था।

अब जरा पीछे लौटते हैं। वो जमाना भी क्या जमाना था, जब खबरें चवन्नी में बिकती नहीं थीं। 'राजदीप सरदेसाई' और 'प्रणव रॉय' जैसे पत्रकार जब कहते थे, 'अब चलते हैं ग्राउंड रिपोर्टर के पास' तो हम सचमुच टीवी की ओर झुक जाते थे। अब तो जैसे 'ग्राउंड रिपोर्टर' गूगल पर बैठा कोई लड़का है, जो आधे सेकंड में कह देता है – 'इस्लामाबाद की गलियों में तनाव...' और स्क्रीन पर वही पुराना स्टॉक फुटेज। उसी पर बैठे एंकर ने चश्मा उतार कर जैसे ही आंख मटकाई, लगा जैसे वाकई LOC पार कर लिया हो।

अब जरा गौर कीजिए, खबर क्या थी?

'हमारी मीडिया इस्लामाबाद पहुँच गई!'

वाह! ऐसी भी कौन सी खबर है जिसे सुनकर पाकिस्तान की नींद उड़ जाए और भारत का टीआरपी ग्राफ़ आसमान चूम ले? और जब अंदर जाकर पता करो, तो असल में 'मीडिया' से मतलब एक ट्विटर अकाउंट से होता है, जिसने लिखा था – 'हमारे सूत्रों के अनुसार, एक वरिष्ठ पत्रकार की टैक्सी लाहौर में देखी गई है।'

दादी होतीं, तो कहतीं, 'बेटा, अब मीडिया वो नहीं रही जो सत्य बताती थी, अब वो सपनों का व्यापार करती है।' अब खबरें नहीं बिकतीं, ड्रामा बिकता है। और आजकल तो खबरें भी नेटफ्लिक्स की सीरीज़ जैसी लगती हैं – हर एपिसोड में क्लाइमैक्स, हर रिपोर्टर में एक्टर, और हर दर्शक में जज।

हमारी गली के शर्मा जी ने तो TV के सामने धूपबत्ती जलाना शुरू कर दिया है। बोले – 'टीवी नहीं, राष्ट्रधर्म है ये!'

मैंने पूछा – 'इस्लामाबाद की रिपोर्टिंग कैसी लगी?'

बोले – 'क्या शानदार प्रस्तुति! लगा जैसे खुद कैमरा मक्का-मदीना घूमा आया हो।'

इतिहास के पन्ने पलटूं तो याद आता है – एक ज़माना था जब पत्रकार ज़मीन पर उतरते थे, खेत-खलिहान से खबर लाते थे, और उनके पास चश्मा, क्लिपबोर्ड और सच हुआ करता था। अब तो कॉपी-पेस्ट, CGI विजुअल और चिल्लाते एंकर ही बाकी हैं।

अरे भैया, जब मीडिया कहती है 'हम इस्लामाबाद पहुँच गए', तो इसका मतलब ये नहीं कि एंकर वाघा बॉर्डर कूद कर माइक लेकर दौड़ पड़ा। इसका मतलब है – किसी ने कहीं से कोई तस्वीर चुरा ली, कुछ आवाज़ें चिपका दीं, और कह दिया 'एक्सक्लूसिव'।

और इस झूठ के बीच सच्ची खबरें धुंध में गुम हो जाती हैं –

किसी गाँव में टूटी सड़क, किसी बच्चे की भूख, किसी किसान की खुदकुशी – ये सब टीआरपी नहीं लाते।

क्योंकि 'टीआरपी तो तब आता है जब राष्ट्रवाद उफान पर हो और कैमरा इस्लामाबाद में।'

एक दिन छोटे भांजे ने पूछा, 'मामा, क्या हम सच में पाकिस्तान पहुँच गए?'

मैं मुस्कराया, और सोच में पड़ गया –

क्या हम सच में कहीं पहुँच रहे हैं, या केवल स्क्रीन पर धुआं-धुआं दौड़ रहे हैं?

शायद दौड़ते हुए हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है जिसे 'पत्रकारिता' कहते हैं।

अब टीवी नहीं खोलता, बल्कि यादें खोलता हूँ – जब खबरें डिब्बे में बंद नहीं होती थीं, बल्कि संवाद की तरह फैलती थीं।

जब रिपोर्टर जनता की आवाज़ था, न कि संपादक का मुखौटा।

तो जब अगली बार कोई चैनल कहे –

'हमारी मीडिया इस्लामाबाद पहुँच गई!'

तो दादी की तरह मुस्कराइए, और सोचिए –

'क्या टीवी सच में बाहर गया है, या सिर्फ हमारी समझ के अंदर घुस आया है?'

मुद्दा

अनिल ठाकुर

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता एवं उसके दूरगामी परिणाम

शेक्सपियर ने कहा था 'नाम में क्या रखा है' लेकिन कभी कभी नाम इतना प्रभावशाली होता है कि उसके पीछे छिपा हुआ निहितार्थ और उसके व्यापक प्रभाव का आभास हो जाता है। ठीक इसी तरह ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ आतंकवाद के समूल नाश की रणभेरी ही नहीं वरन पाकिस्तानी आतंक वादियों द्वारा जिस तरह माता, बहनों के सिंदूर को निर्ममता पूर्वक उजाड़ दिया गया था, उस नारी अस्मिता के गौरव को पुनः स्थापित करने का एक सशक्त संदेश भी है। तीन दिन चले इस अभियान की सफलता की जानकारी प्रतिदिन सेना की प्रेस ब्रीफिंग दो महिला ऑफिसरों विंग कमांडर व्योमिका सिंह एवं कर्नल सोफिया कुरैशी द्वारा दिलवाकर नारी अस्मिता, सामाजिक समरसता का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा धर्म पूछकर की गई निर्मम हत्याओं के कुछ दिनों पूर्व पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष ने 'टू नेशन थ्योरी' के पक्ष में बोलते हुए कहा था कि हम हिंदुओं से हर पहलू से अलग हैं, हमारी मान्यताएं अलग है, हमारी परम्परा एवं सिद्धांत अलग अलग है। धर्म पूछकर की गई ये निर्मम हत्याएं इसी से प्रेरित थी। इनका एक उद्देश्य भारत में धर्म के आधार पर विद्वेष फैलाना भी था। सेना की प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया के माध्यम से हमने उनके इस घृणित कार्य के प्रति हमारी सोच को भी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया। आतंकवादियों द्वारा की गई इन हत्याओं के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर पूरा देश एक सुर में बोल रहा था, एकता की ऐसी मिसाल लंबे समय के बाद देखने को मिली। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरा देश 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' के स्वर में बोल रहा था। धारा 370 हटने के बाद कश्मीर जिस प्रगति की राह पर अग्रसर हो चला था, इस के बाद उसमें और तेजी आएगी। कश्मीर के स्थानीय निवासियों के बीच आत्मविश्वास की एक नई लहर जागृत हुई है। वहां के राजनीतिक नेतृत्व के बयानों से भी हमें इसका अहसास हो रहा है। यह देश की अखंडता को अधिक मजबूती प्रदान करने में सहायक होगा।

अभी तक भारत विश्व के सभी फोरम पर आतंकवाद की विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद करते हुए एक होकर लड़ने की जरूरत बताता रहा है। उरी एवं पुलवामा हमले के जवाब में हमने बिना किसी हिचकिचाहट के सैन्य कार्रवाई कर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। दोनों अभियानों में हमने आतंकवादियों के अड्डों को निशाना बनाया था, लेकिन इस बार आतंकवादी ठिकानों के अलावा पाक के उन सैन्य ठिकानों को भी नेस्तनाबूद करने में कोई मुरब्बत नहीं बरती जहां से इन आतंकवादियों को ट्रेनिंग एवं मदद मिलती थी। पाकिस्तानी राजनीतिज्ञों की ओर से हमें खुले शब्दों में न्यूक्लियर वार की धमकियां मिल रही थी। हमने इन बयान वीरों का बयानों से जवाब देने के बजाय उनके न्यूक्लियर ठिकानों के आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर जता दिया कि यदि पाक की ऐसी मंशा है तो हमें भी कोई गुरेज या भय नहीं। संदेश साफ था पाकिस्तान पारंपरिक युद्ध चाहता है तो हमें यह भी स्वीकार्य है। भारत की प्रतिक्रिया से दुनिया ने यह जान लिया कि आतंकवाद के विरुद्ध हमारी नीति, संकल्प क्या है। इस अभियान ने हमारी सामूहिक सैन्य शक्ति की ताकत और स्वदेशी निर्मित उपकरणों की प्रमाणिकता पर मोहर लगा दी। अभी तो मिसाइलों के सटीक निशानों एवं रक्षक उपकरणों से भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति का नमूना भर दिखा है, यदि कार्रवाई लंबी चलती तो असली ताकत से दुनिया रूबरू हो पाती।

आतंकवाद के विरुद्ध हमारी राजनीतिक इच्छा शक्ति की सेना द्वारा सफल क्रियान्वयन से दुनिया में भारत की साख को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। चीन जैसा ताकतवर दुश्मन इसे स्वीकार नहीं करे मगर अंदर ही अंदर उसके आत्मविश्वास पर कुठाराघात तो हुआ है। उसे अहसास हो गया होगा कि भारत अब 1962 वाला कमजोर देश नहीं वरन उभरती हुई महाशक्ति है। हमारे कुछ पड़ोसी मुल्क यदा कदा उल्टे सीधे बयान देकर हमें कमजोर समझ बैठे हैं, यह कार्रवाई उनकी आंखे खोल देने के लिए काफी है। यूरोपीय देशों द्वारा भारत को पहलगाम हमले के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई न करने एवं बातचीत द्वारा मामले को हल करने की सलाह पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कड़े शब्दों में जवाब देते हुए कहा हमें ज्ञान देने वालों की नहीं, भागीदार की जरूरत है। सरकारी प्रवक्ताओं की ओर से भी स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता से ही सुलझाने की नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

इस कार्रवाई में स्वदेशी सैन्य उपकरणों के धरातल पर सफल परीक्षण से विदेशों में इनकी मांग बढ़ने पर निर्यात से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सैन्य शक्ति के अतिरिक्त नई रणनीति के तहत सिंधु जल संधि निलंबित कर भारत ने दुश्मन को इतना कमजोर कर दिया कि वहां बैठे आतंकवादी धमकी देने लगे कि पानी नहीं तो खून बहेगा। यह खिसियानी बिल्ली खंबा नोचे कहावत को चरितार्थ करने वाला बयान था।

तीन दिन चली इस कार्रवाई में हमे भी कुछ जन, धन एवं सैन्य हानि उठानी पड़ी है लेकिन एक बड़े उद्देश्य की सफलता के लिए छोटी कुर्बानी देनी ही पड़ती है। इस तरह हमने हर एक मोर्चे पर पाकिस्तान को परास्त ही नहीं किया, उसके मनोबल को इतना आहत किया कि उसे युद्ध विराम (सीज फायर) की भीख मांग कर अपना बचाव करने पर मजबूर होना पड़ा। भारत ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि हमने सैन्य कार्रवाई स्थगित की है, समाप्त नहीं। पीएम मोदी ने अपने संदेश में यह चेतावनी भी दी कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध माना जाएगा। एक लंबे अरसे से पाकिस्तानी सेना परमाणु हथियारों के दम पर हमारे यहां आतंकवादी गतिविधियां पर्दे के पीछे से संचालित करती आ रही है। पीएम मोदी ने न्यूक्लियर ब्लैकमेल के दबाव में आए बिना आतंक पर प्रहार करने के संकल्प को भी दोहराया। यह तो आने वाला वक्त बताएगा कि पाकिस्तान ने कुछ सबक सीखा या नहीं, या फिर वहीं ढाक के तीन पात देखने को मिलेंगे।

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया।

डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए

अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है।

किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए।

डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

यह ग्लेशियर की मौत की भावी संकट का है संकेत

पर्यावरण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

अभी दो चार दिन पहले ही भारत, भूटान, नेपाल और चीन के चुनिंदा ग्लेशियलोजिस्टों ने समुद्र तल से करीब 5100 मीटर उंचे याला ग्लेशियर के मौत की अनोखी शोकसभा का आयोजन कर दुनिया के देशों को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के प्रति सावचेत करने का प्रयास किया है। हांलाकि किसी ग्लेशियर की मौत की विधिवत घोषणा और मातम सभा के आयोजन का यह कोई पहला मौका नहीं है। पिछले सात सालों में यह तीसरा मौका है जब ग्लेशियर की मौत की शोक सभा का आयोजन और उस स्थल पर पट्टिका लगाने का काम हुआ है। इससे पहले 2019 में आइसलैण्ड के ओक और 2021 में मैक्सिको के ओयोलोको ग्लेशियर के मौत की शोकसभा का आयोजन किया जा चुका है। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को किस दिशा में ले जा रही है और किस तरह के प्रभाव हमें पिछले सालों से लगातार देखने को मिल रहे हैं उनमें से ग्लेशियरों के नष्ट होना तो केवल और केवल एक पक्ष मात्र है। जबकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेषियरों के पिघलने के बारे में विशेषज्ञ वैज्ञानिक लगातार सावचेत करते रहे हैं।

जब कोई ग्लेशियर इस हालात में आ जाता है कि उसका मूवमेंट ही लगभग समाप्त हो जाता है तो वह ग्लेशियर मृत श्रेणी में आ जाता है। दुनियाभर में ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज बढ़ती जा रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है। समुद्र के जल स्तर के बढ़ने के कारण समुद्र किनारे के कई शहरों के सामने डूबने का संकट दिखाई दे रहा है। यह तो केवल एक पहलू है। ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापमान में अत्यधिकता जैसे साल दर साल गर्मी में तेजी और असमय तेज गर्मी, तेज वर्षात और तेज सर्दी प्रभावित कर रही है। जंगलों में आग के कारण जिस तरह से जंगल और जंगल की जीव विविधता प्रभावित हो रही है और जंगल रेगिस्तान में तब्दील हो रहे हैं यह अपने आपमें गंभीर है। इसी तरह से मौसम में अनावश्यक बदलावों के कारण नई नई बीमारियों के साथ

ही विलुप्त बीमारियां जैसे मलेरिया और वायरस जनित बीमारियों का बढ़ता प्रकोप, दवाओं की असरता कम होना और ना जाने इस तरह के क्या क्या परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं यह आज सारी दुनिया के सामने हैं। ग्लोबल वार्मिंग के चलते सूखा और रेगिस्तान का विस्तार लगातार होता जा रहा है। पिछले सालों में दुनिया के देशों में चक्रवातों का चक्र तेजी से बदला है और तूफानों की तीव्रता और फ्रिक्वेंसी में तेजी आई है। इसके साथ ही भूकंपों की सक्रियता बढ़ रही है। अब तूफान और भूकंपों की फ्रिक्वेंसी तो इस कदर बढ़ गई है कि कब भूकंप आ जाये और कब समुद्र तट की और बढ़ते तूफान की घोषणा हो जाए यह आये दिन देखने को मिल रहा हे। दुनियाभर के देश ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से प्रभावित है। जिस तरह के बडे बड़े सम्मेलनों में दुनिया के नेता ग्लोबलवार्मिंग को लेकर चिंतन मनन को जुट तो जाते हैं पर परिणाम अभी तक जो सामने दिखाई दे रहे हैं पह गंभीर संकट की और साफ इशारा समझने की आवश्यकता है।

दरअसल जिस तरह का ग्लोबल वार्मिंग का असर देखा जा रहा है उससे यह माना जा रहा है कि लाख प्रयासों के बावजूद 9 लाख ट्रिलियन टन बर्फ के पिघलने की संभावना वैज्ञानिकों द्वारा बार बार की जा रही है। मौसम में हर दूसरे तीसरे दिन बदलाव और चरम मौसम के हालात गंभीर है। रेगिस्तान का विस्तार हो रहा है तो सूखे की संभावनाएं अधिक हो गई है। बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं तो कीटाणुओं की सक्रियता और उनका असर साफ देखा जा सकता है। ऐसे में एक और दुनिया के देशों को ढुलमिल नीति त्यागकर ठोस प्रयास करने होंगे। गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। इसके साथ ही वैज्ञानिकों को भी एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि केवल आय बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रयास नहीं करने चाहिए। गैरसरकारी संगठनों की ऐसें हालातों में और अधिक सक्रियता के साथ अभियान चलाने होंगे। ग्लेशियरों के पिघलने का संकट आने वाले समय में और अधिक गंभीर होगा क्योंकि जिस तरह से कांक्रीट के जंगल, अत्यधिक भू जल का दोहन पंखे कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशरों का बढता प्रयोग, और इलेक्ट्रोनिक उत्पादों के कारण हालत दिन प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। हालात यही रहे तो ग्लेशियरों की बर्फ पिघलेगी ही पिघलेगी साथ ही अनेक समस्याएं और अधिक नकारात्मक प्रभाव डालेगी।

ऑपरेशन सिंदूर

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

सेना के पराक्रम की गूंज चहुंओर, अब आगे क्या?

सैन्य कार्रवाई के अचानक बीच में ही रोके जाने से अनेक सवाल खड़े हुए और ज्यादातर लोगों को यह रास नहीं आया। इस सैन्य कार्रवाई को युद्ध से कम तो नहीं कहा जा सकता लेकिन यह भी सच है कि भारत ने 1971 की जंग के बाद पाकिस्तान में घुसकर उसके केन्द्रों को सीधे निशाना बनाया। इनमें सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण राडार, एयरबेस शामिल हैं। भारतीय संसद, मुंबई में आतंकी हमले, उरी और पुलवामा की घटना के बाद यह सबसे बड़ी और टार्गेटेड कार्रवाई है। इस संघर्ष में किसे क्या हासिल हुआ इसकी बात आगे लेकिन अभी कुछ ऐसे पहलू जो संघर्ष विराम जारी रहने के दौरान उत्पन्न हुए।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत तारीख को सप्ताह भर से ज्यादा बीच गया है। इस बीत कई उतार-चढ़ाव आये। चार-पांच दिन के इस सैन्य ऑपरेशन में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम की अनुगूंज देश-विदेश तक पहुंची। यहां तक कि खुद को दुनिया में सर्वोपरि मानने वाले अमेरिका को भी बीच में कूदना पड़ा जिसे हमारे देश में कतई पसंद नहीं किया गया। इस सैन्य कार्रवाई के अचानक बीच में ही रोके जाने से अनेक सवाल खड़े हुए और ज्यादातर लोगों को यह रास नहीं आया।इस सैन्य कार्रवाई को युद्ध से कम तो नहीं कहा जा सकता लेकिन यह भी सच है कि भारत ने 1971 की जंग के बाद पाकिस्तान में घुसकर उसके केन्द्रों को सीधे निशाना बनाया। इनमें सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण राडार, एयरबेस शामिल हैं। भारतीय संसद, मुंबई में आतंकी हमले, उरी और पुलवामा की घटना के बाद यह सबसे बड़ी और टार्गेटेड कार्रवाई है। इस संघर्ष में किसे क्या हासिल हुआ इसकी बात आगे लेकिन अभी कुछ ऐसे पहलू जो संघर्ष विराम जारी रहने के दौरान उत्पन्न हुए।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक पाकिस्तान ने बीते 30 अप्रैल को गलती से फिरोजपुर बॉर्डर से पाक सीमा में चले जाने वाले बीएसएफ के पी.के. साहू को भारत को सौंप दिया है।अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वहाँ उनके साथ कैसा सुलूक किया गया। आपको याद होगा पिछले एक ऑपरेशन के दौरान पाक सीमा उतरे बड़ी मूंछों वाले अभिनंदन को दबाव के बाद ही भारत वापस भेजा था।

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प सऊदी अरब तथा कतर की यात्रा पर पहुंचे जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। यात्रा का उद्देश्य हथियारों की डील संबंधी समझौते के साथ ही वहां फैले खुद के कारोबार को देखना भी था। इस बीच उनका सीरिया के राष्ट्रपति से मिलना चौंकाने वाली ख़बर है। सो, खुद को शक्तिशाली समझने वाले बड़े देशों को भी अपने हथियार खपाने हैं लेकिन वे बात विश्व शांति की ही करते हैं। तभी हाल के संघर्ष में तुर्की निर्मित ड्रोन्स का उपयोग भारत के विरुद्ध किया गया जिन्हें सेना ने निष्प्रभावी कर दिया। अब भारत ने तुर्की और अजरबेजान का सैलानियों से बॉयकाट करने को कहा और भारतीय पर्यटकों ने यात्राएं कैंसिल करना भी शुरू कर दिया है। हरेक साल वहां लाखों सैलानी भारत से जाते रहे हैं।

संघर्ष विराम के बीच ही 13 मई को शोपिया में हुए एनकाउंटर में तीन आतंकी मारे गये तथा हथियारों का जखीरा भी बरामद हुआ। अभी पूरी आशंका है कि कश्मीर घाटी के घने जंगलों में और भी आतंकी छिपे हों और किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हो। ऑपरेशन सिंदूर में जिन 100 आतंकियों के मारे जाने की कामयाबी मिली है उनमें वे चार- पांच आतंकी कहां है जिन्होंने पहलगाम में निर्दोष सैलानियों को उनके परिजनों तथा पत्नी के सामने पति को बेरहमी से मौत के घाट उतारा था उधर अब बांग्लादेश के घुसपैठियों को भी भारत से निकाला जा रहा है तो

ऐसे कदम पहले भी उठाये जा सकते थे। सर्वविदित है कि बांग्लादेश के घुसपैठिए महज राजस्थान में ही नहीं बल्कि कई जगह हो सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष विराम के पूर्व के चार पांच दिनों के बारे में काफी कुछ विस्तार से बताया जा चुका है। यहां हम मौटे तौर पर बीते सात आठ दिनों के दौरान सामने आये तथ्यों, बिंदुओं को एक-एक कर रखेंगे। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत पाक के मध्य बातचीत डीजीएमओ लेवल पर होगी। बातचीत में किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप कदापि नहीं होगा। बातचीत पीओके और आतंक पर ही होगी। पाकिस्तान नहीं माना तो फिर से बड़े प्रहार होंगे। गोली का जवाब गोले से दिया जायेगा। न्यूक्लियर ब्लेक मेल बर्दाश्त नहीं होगा। मारे गये आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तान की फौज के अधिकारियों और कुछ बड़े लोगों के शामिल होने को तथा सम्मान के साथ उन्हें दफ़नाने को पूरी दुनिया ने देखा है। सैन्य अधिकारियों ने सबूतों के साथ पाक का सच बताया है। ऑपरेशन सिंदूर स्थगित हुआ है अभी समाप्त नहीं हुआ। पाकिस्तान ने नागरिक विमान को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। हमारी सेना की धमक रावलपिंडी और लाहौर तक पहुंची है। हमने आतंकियों को निशाना बनाया नागरिकों को नहीं। मारे गये आतंकियों में तीन खूंखार आतंकी शामिल हैं जिनमें आईसी 814 को हाईजेक कर कंधार ले जाने के षड्यंत्रकारी शामिल हैं।

कुल मिलाकर ऑपरेशन सिंदूर के दूरगामी परिणाम से इंकार नहीं किया जा सकता। पाक की अवाम को स्पष्ट हो गया होगा कि उनकी सेना उतनी सुदृढ़ और आधुनिक शस्त्रों वाली बचाव प्रणाली में उतनी निपुण नहीं है जितना कि ढिंढोरा पीटा जाता है। चीन और तुर्की के अतिरिक्त शायद ही कोई देश उसके साथ खड़ा हो। इस संघर्ष में ड्रोन एक नये मानव रहित हथियार के रूप में सामने आया और पाक ने जिस तरह इनका इस्तेमाल किया वो इजराइल-हमास गाजा के पैटर्न पर था। हालांकि हमारे एंटी ड्रोन सिस्टम ने टिड्डी दल की तरह आये ड्रोन और मिसाइलों को सटीक कार्रवाई कर नाकाम कर दिया। भारत की सेना ने लाहौर का राडार सिस्टम, रहीम यार खान एयरबेस, सरगोधा का एयर फील्ड तथा मुरीदके जैसे आतंकी ट्रेनिंग कैम्पों को तबाह कर दिया।

सो, ऑपरेशन सिंदूर में अभी तक की कार्रवाई में भारत को हासिल तो बहुत कुछ हुआ है लेकिन अब आगे क्या का सवाल शेष है। इसका समाधान क्या निकलकर आयेगा? एक ओर वैश्विक स्तर पर जहां यूक्रेन- रूस तथा इजराइल गाजा हमास का युद्ध लंबे समय से जारी है और अब वार्ता के जरिये कुछ समाधान शायद सामने आये वहीं भारत पाक संघर्ष विराम पर भी दुनिया भर की नजर बनी रहेगी।

वेंकटेश एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर बने

बैतूल। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी में वेंकटेश साहू का एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (लीगल) के पद पर चयन हुआ है। देश में 6 हजार अभ्यार्थियों ने 16 पदों के लिए तीन स्तर पर परीक्षा दी थी। न्यू बैतूल स्कूल में शिक्षक नवनीत साहू व श्रीमती उज्जवला साहू के पुत्र वेंकटेश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल के बाद बीए, एलएलबी की डिग्री नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूर्नीवसिटी भोपाल से प्राप्त की है। वेंकटेश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों, माता-पिता और अपनी मेहनत को दिया है। इनकी इस उपलब्धि पर राजेन्द्र साहू, आशीष साहू, सुमित साहू, वंदिता साहू, आरती साहू, पदमा साहू, सहित ईष्ट मित्रों और परिजनों ने बधाई दी है।

शासकीय जनजातीय माध्यमिक कन्या आश्रम में समर कैम्प की शुरुआत

बैतूल। शासकीय जनजातीय माध्यमिक कन्या आश्रम छात्रावास भौंरा में समर कैंप की शुरुआत बुधवार से की गई। इस अवसर पर सक्षम कार्यक्रम से ब्लॉक मैनेजर ने बच्चों के उत्साह को बढ़ाया और आगामी 2 महीने में होने वाली अलग-अलग गतिविधियों के बारे में भी जानकारी देकर बच्चों के साथ एनर्जाइजर भी किया गया। अतिथि सरपंच

श्रीमती मीरा धुर्व, जनपद सदस्य श्रीमान सुधीर नायक ग्रीष्मकालीन शिक्षक श्रीमती सविता विश्वास ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश केवल मनोरंजन का समय नहीं, बल्कि आत्म विकास और प्रतिभा निखारने का सर्वोत्तम अवसर है। उन्होंने बच्चों से मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। जनपद सदस्य सुधीर नायक ने कहा कि बच्चों में सर्वांगीण विकास की वृद्धि के लिए विभिन्न प्रकार के रचनात्मक क्रियाकलाप अति आवश्यक है। अधीक्षिका आरती काव्य कावरे ने बीज से जीवन का संचालन कैसे होता है सत्र लिया गया।

प्रवीण दाताराम द्वारा लिखित जय-जय जयतु अहिल्या बाई पुस्तक का विमोचन आज

बैतूल। जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय के अटल सभागार में आज 16 मई को दोपहर 12 बजे प्रवीण दाताराम द्वारा लिखित जय-जय जयतु अहिल्या बाई पुस्तक का विमोचन किया जाएगा। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् एवं पुण्यश्लोक देवी अहिल्या जन्म त्रिशताब्दी समिति द्वारा आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम के संदर्भ में आयोजन समिति की वंदना कुंभारे, विनय डोंगरे, एवं विजय हारो? ने बताया कि इस वर्ष बड़ी संख्या में हर स्तर पर देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन चरित्र पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मालवा राज्य की अजेय महारानी अहिल्या बाई पर केंद्रित व्याख्यान, नाटक मंचन, फिल्म निर्माण, पुस्तक लेखन आदि कार्य इस वर्ष में संघ के संगठन आयोजित कर रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संगठन अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की ओर से एक पुस्तक जय-जयतु अहिल्या बाई का लेखन बैतूल के प्रसिद्ध लेखक प्रवीण दाताराम द्वारा किया गया है। विदित हो कि प्रवीण गुगनानी की इसके पूर्व पांच पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं एवं इसके अतिरिक्त उन्होंने दो पुस्तकों का सम्पादन भी किया है। यह पुस्तक विभिन्न शोधों पर आधारित देवी अहिल्या बाई होलकर के इतिहास पर प्रामाणिकता से व संदर्भ पूर्वक अपनी बात कहती है। इस कार्यक्रम में श्री दाताराम साहित्य संवर्द्धन सम्मान 2024 ग्यारह दोहे रामायण समिति को प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्षीय आसंदी पर पूज्य स्वामी श्री उत्तम स्वामी जी विराजमान रहेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडे, साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराडक़र, केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उईके, विद्या भारती के प्रांत संगठन मंत्री निखिलेश माहेश्वरी, पूर्व मंत्री मप्र शासन तपन भौमिक उपस्थित रहेंगे। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने सभी बंधुओं से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन किया है।

नाबालिग लड़की की उपचार के दौरान संदिग्ध मौत

झोलाछाप डॉक्टर पर लग रहे गलत इलाज के आरोप, पुलिस ने कराया शव परीक्षण

बैतूल/मुलताई। निकटतम ग्राम खम्बारा निवासी 11 वर्षीय नाबालिक लडक़ी की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में हुई संदिग्ध मौत का मामला तुल पकड़ता जा रहा है। 11 वर्षीय बालिका रुचि पिता बली पवार निवासी खंबारा का दस्त की शिकायत होने पर तथाकथित झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराया गया था, इसके बाद हालत बिगडने़ पर बालिका को गंभीर अवस्था में मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उपचार के दौरान बालिका की मौत हो गई। संदिग्ध अवस्था में बालिका की मौत के बावजूद बगैर शव परीक्षण के बालिका का शव परिजन घर ले गए। बीएमओ डॉ. पंचम ने कहा कि परिजन पोस्टमार्टम नहीं करना चाहते थे, इसलिए शव ले गए, किंतु बाद में पुलिस ने परिजनों को समझाकर बालिका का शव, घर से लाकर अस्पताल में शव परीक्षण कराया। मृतक के परिजनों ने बालिका की मौत को लेकर स्थानीय झोलाछाप बंगाली डॉक्टर पर गलत इलाज और समय पर रेफर न करने का आरोप लगाया है। बालिका के परिजनों ने उक्त डॉक्टर पर कार्रवाई के संबंध में ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र भी सौपा है। वहीं दूसरी ओर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गंभीर अवस्था में लाई गई नाबालिक लडक़ी के उपचार का हर संभव प्रयास तो किया गया, किंतु मौत के बाद प्रशासनिक कार्रवाई में स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों का रवैया चर्चा का विषय बना हुआ है। बालिका की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान शाम 5 से 6 बजे के बीच मौत हो चुकी थी और बालिका के परिजन

बालिका का शव स्वास्थ्य केंद्र से बगैर पोस्टमार्टम कराए अपने घर ले जा चुके थे। इसके बाद थाना मुलताई में तहरीर भेजी गई, जिसकी पुष्टि थाना प्रभारी ने की है।

मां ने कहा बंगाली डॉक्टर के इलाज से बिगड़ी लडक़ी की हालत- मृतिक रुचि की मां कविता बाई ने बताया कि रुचि को तीन दिन से दस्त लगे थे, जिसका इलाज मुलताई के एक बंगाली डॉक्टर से करा रहे थे। बंगाली डॉक्टर ने लडक़ी को दवाई गोली देकर इंजेक्शन लगाया, किंतु लडक़ी ठीक होने के बजाय हालात और बिगड़ गई। जिसको लेकर हम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे थे, जहां इलाज के दौरान लडक़ी की मौत हो गई।

गली -गली फैल रहा है झोलाछाप डॉक्टरों का जाल- मुलताई क्षेत्र में यह पहला मामला नहीं है, जब किसी झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इलाज के आरोप लग रहे हो। मुलताई नगर में दर्जनो झोलाछाप अवैध क्लिनिक संचालित कर रहे हैं। संपूर्ण क्षेत्र में इनकी संख्या सैकड़ो में है, जो लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह प्रशासन की जानकारी के बगैर हो रहा है, नहीं तो कौन है जो इन्हें संरक्षण देता है। आए दिन गलत इलाज के मामले सामने आते हैं। अब तक ना तो कोई ठोस कार्रवाई हो पाई है और ना ही लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ का यह सिलसिला धीमा है। क्या मासूम की मौत के बाद प्रशासन नींद से जागेगा।

इनका कहना है -

बच्ची को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। बच्ची को गंभीर डिहाइड्रेशन था, उसकी बीपी और पल्स नहीं मिल रही थी। शाम करीब 6.30 बजे कोशिशों के बावजूद बच्ची ने दम तोड़ दिया। अगर यह गलत इलाज का मामला है, तो जांच का विषय है। संपूर्ण मामले की जांच के लिए सीएमएचओ को पत्र लिखेंगे।

- डॉ. पंचम सिंह
ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी मुलताई

हमको सीएससी मुलताई से बच्ची का शव स्वास्थ्य केंद्र से घर ले जाने के बाद तहरीर प्राप्त हुई थी। हमने परिजन से शव प्राप्त कर परीक्षण कराया है। इस संबंध में हमने मृग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। जांच के बाद जो भी वैधानिक कार्रवाई होगी, की जाएगी।

- देवकरण डहेरिया थाना प्रभारी मुलताई

सांदीपनी विद्यालय बैतूल-बाजार में 13 दिवसीय समर कैम्प का समापन

बैतूल। सांदीपनी शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार में विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सृजनशीलता कला कौशलों के विकास करने हेतु लगातार 3 वर्षों से संस्था में शासन के निर्देशानुसार समर कैम्प का सफल आयोजन किया जा रहा है। सत्र 2024-25 के समर कैम्प का समापन समारोह दिनांक 15 मई 2025 गुरूवार को संस्था में आयोजित किया गया। समापन समारोह सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती मधुबाला देशमुख की उपस्थिति में आयोजित किया गया। 13 दिवसीय समर कैम्प के दौरान विद्यार्थियों को श्रीमती कुमुद थापलियाल द्वारा स्पीकिंग इंग्लिश, कु.शीतल रहडवे द्वारा ड्राइंग एंड पेंटिंग, समर कैम्प के नोडल शिक्षक दिलीप कुमार पटेल द्वारा आर्ट स्किल एंड बिजनेस आदि थीम्स पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा एनआर हांके, एमएल डढोरे एवं रमेश कुमार पिंजारे द्वारा आउटडोर एक्टिविटीज में मेडिटेशन एव आइस ब्रेकर एक्टिविटीज और गेम्स आदि कराए गए। समापन के अवसर पर सभी विद्यार्थियों द्वारा अपनी-अपनी थीम्स पर सीखी गई कला एवं कौशल का प्रदर्शन किया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई ड्राइंग एंड पेंटिंग की प्रदर्शनी भी लगाई गई। समारोह

को उपस्थित अतिथियों एवं स्त्रोत शिक्षक द्वारा संबोधित किया गया तथा श्रीमती देषमुख द्वारा बच्चों को आनंददायक गतिविधियां कराई गई। समारोह के अंत में सभी थीम्स में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संस्था प्राचार्य द्वारा सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती देशमुख एवं समर कैम्प के स्त्रोत शिक्षकों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु पौधे भेंट किए गए। आभार प्रदर्शन माध्यमिक विभाग के प्रधान पाठक एमएल डढोरे द्वारा किया गया।

बैतूल में बूंदाबांदी के बाद बढ़ी उमस, 5 डिग्री गिरा तापमान

बैतूल। जिले में पिछले कुछ दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। अरब सागर से आ रही नमी और पश्चिमी विक्षोभ के असर से गुरुवार को आसमान बादलों से ढंका रहा और कई इलाकों में रुक-रुक कर हल्की बुंदाबांदी हुई। जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन बारिश के कारण लोगों को परेशान होना पड़ा। बुधवार को अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो गुरुवार को गिरकर 32 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि तापमान में गिरावट के बावजूद बारिश के बाद उमस बढ़ गई और लोग दिनभर कूलर और पंखों का सहारा लेते नजर आए। न्यूनतम तापमान भी 25 डिग्री पर पहुंच गया, जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण जिले में अगले 24 घंटे तक मौसम ऐसा ही बना रह सकता है। कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। इधर बदलते मौसम और तापमान के उतार-चढ़ाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखने लगा है। जिला अस्पताल में मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, रोज़ाना 800 से 900 मरीज ओपीडी में आ रहे हैं, जिनमें से 100 से 150 मरीज उल्टी-दस्त, बुखार, और सर्दी-खांसी जैसी मौसमी बीमारियों से पीड़ित हैं।

20 मई को लगेगा नि:शुल्क विशाल रोग निदान शिविर

स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी की स्मृति में होगा आयोजन

बैतूल। होप एवं आयुष्मान हास्पीटल नागपुर एवं माँ शारदा सहायता समिति बैतूल द्वारा स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी जी की स्मृति में 20 मई मंगलवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक राधाकृष्ण धर्मशाला रेलवे स्टेशन के सामने गंज बैतूल में निःशुल्क विशाल रोग निदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में समिति की बुधवार शाम 4 बजे से नेहरू युवा केंद्र कोठी बाजार बैतूल में एक बैठक का आयोजन भी किया गया। बैठक में समिति से जुड़े सदस्यों ने उपस्थित होकर अपने सुझाव दिए। आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए समिति के शैलेन्द्र बिहारिया ने बताया कि स्व. श्रीमती स्नेहलता सोनी की स्मृति में 20 मई को आयोजित किए जा रहे निऱ्शुल्क विशाल रोग निदान शिविर में डॉ. बी.के. मुरली (नागपुर) स्पाईन सर्जन, डॉ. अंकित डवरे (नागपुर) न्यूरो सर्जन, डॉ. सचिन गाधिबांधे (नागपुर) जनरल फिजिशियन, डॉ. स्वर्णा गुप्ता (मुम्बई)एमएस, एफआरएम जसलोक हॉस्पिटल मुम्बई एवं डॉ. नदिनी हिराणी

(भोपाल) एमबीबीएस अपनी सेवाएं देंगे। इसके साथ ही शिविर में नेत्र जाँच सेवा सदन इकाई बैतूल एवं फिजियोथैरेपी एवं जाँच एस.डी. कॉलेज, देवगांव का भी विशेष सहयोग रहेगा। वहीं शिविर में विशेष रूप से हड्डी रोग, न्यूरो रोग, बंधत्व एवं बाँझपन, नेत्र रोग, फिजियो एवं अन्य रोगों का परिक्षण किया जायेगा। बैठक में प्रमुख रूप से प्रमोद अग्रवाल, आनंद प्रजापति, संजय पप्पी शुक्ला, शैलेन्द्र बिहारिया, तुलिका पचौली, श्रीमती निमिषा शुक्ला, श्रीमती हेमा चौहान, श्रीमती रूक्मणी सोनारे, जिला उद्योग संघ के सदस्य, अनिल दुबे सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सावंगी श्मशान घाट के सौंदर्यीकरण की मांग

यात्री प्रतीक्षालय और बाउंड्रीवाल बनाने के लिए सौंपा ज्ञापन

बैतूल। सावंगी में श्मशान घाट पर आवश्यक सुविधाओं की कमी और सौंदर्यीकरण के लिए ग्रामवासियों ने मां बगलामुखी उपासक रविन्द्र मानकर के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सरपंच और सचिव को ज्ञापन सौंपा। माँ बगलामुखी उपासक रविन्द्र मानकर ने बताया कि श्मशान घाट की भूमि पर बाउंड्रीवाल और यात्री प्रतीक्षालय न होने के कारण बरसात के दिनों में अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, श्मशान घाट पर पानी, बिजली और रुकने की व्यवस्था भी नहीं है, जिससे अंतिम संस्कार के समय प्रदूषण और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान घाट पर सफाई की भी उचित व्यवस्था नहीं है, जिससे बरसात में अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सावंगी का श्मशान घाट भी आठनेर और सातनेर की तर्ज पर विकसित किया जाए, जहां सुंदर बाउंड्रीवाल और यात्री प्रतीक्षालय बनाकर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सम्मानजनक बनाया गया है। पूर्व में पंचायत ने सामुदायिक मांगलिक भवन के

निर्माण के लिए 5वें वित्त से 4 लाख रुपये, 15वें वित्त से 2 लाख रुपये और पंचायत पुरस्कार से 3 लाख 97 हजार 135 रुपये से कार्य पूरा किया था। वर्तमान में, सांस्कृतिक मांगलिक भवन की दूसरी किश्त के 10 लाख रुपये पंचायत खाते में जमा हैं। ग्रामीणों का सुझाव है कि इसी राशि से श्मशान घाट का सौंदर्यीकरण और आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। माँ बगलामुखी उपासक आचार्य रविन्द्र ने बताया कि तहसीलदार कीर्ति डहेरिया ने आश्वासन दिया था कि राजस्व निरीक्षक डोमा नरवरे और पटवारी अमित पाठक के नेतृत्व में सीमांकन कार्य पूरा किया जाएगा। तय समय के अनुसार राजस्व निरीक्षक डोमा नरवरे, पटवारी अमित पाठक, खेमराज रघुवंशी ने सीमांकन कार्य संतोषजनक रूप से संपन्न किया। सीमांकन के दौरान मां बगलामुखी उपासक रविन्द्र मानकर, ग्राम सरपंच, ग्राम सचिव लीलाधर वागद्रे, रोजगार सहायक, उप सरपंच संजय वागद्रे, ग्राम कोटवार और अन्य पड़ोसी कृषक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सीमांकन कार्य से ग्रामवासियों को श्मशान भूमि की स्पष्टता मिलने से उनकी कई वर्षो से चली आ रही समस्या का समाधान हो गया है।

महिला कांग्रेस ने जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह का फूंका पुतला

आक्रोश रैली निकालकर की नारेबाजी, मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

बैतूल। महिला कांग्रेस ने प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के घृणित बयान के खिलाफ गुरुवार को लल्ली चौक पर मंत्री का पुतला फूंका। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोनिका निरापुरे और ग्रामीण जिला अध्यक्ष पुष्पा पेंद्राम के नेतृत्व में निकाली गई आक्रोश रैली में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और जोरदार नारेबाजी करते हुए मंत्री विजय शाह को पद से बर्खास्त करने की मांग की। मंत्री विजय शाह के बयान को महिला कांग्रेस ने भारतीय सेना के प्रति अवमानना और बेटियों की गरिमा को तार-तार करने वाला बयान बताया है। महिला नेताओं ने कहा कि क्या अब देश की बेटियां भी बीजेपी की घृणित राजनीति की शिकार होंगी? क्या वर्दी पहनने वाली बहादुर बेटियों को भी मजहब के तराजू में तौला जाएगा? कर्नल सोफिया कुरैशी पर

टिप्पणी भारतीय फौज की मर्यादा पर हमला है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोनिका निरापुरे ने कहा विजय शाह का यह बयान उस मानसिकता को उजागर करता है जो देशभक्ति को धर्म की दीवारों में कैद करना चाहती है। ग्रामीण जिला अध्यक्ष पुष्पा पेंद्राम ने दो टूक कहा कि यह बयान मंत्री पद की गरिमा के विपरीत है, और अगर विजय शाह में जरा भी शर्म बाकी है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। वरना महिलाएं, सैनिक और देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। बीजेपी के नेताओं की ज़ुबान अगर ऐसे ही ज़हर उगलती रही तो ये आग पूरे देश को झुलसा देगी। सेना की वर्दी पहनकर देश का नाम रोशन करने वाली कर्नल सोफिया को पाकिस्तानियों की बहन कहकर विजय शाह ने वह रेखा पार कर दी है जिसे भारत की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। प्रदर्शन में जमुना पंडाग्रे, नंदिनी तिवारी, प्रेरणा शर्मा, शबाना सिराज पठान, पार्षद अर्चना साहू, सुशीला तिवारी, अनुराग मिश्रा, सुन्ना राजपूत, रमेश गायकवाड़, जैद खान, नफीस खान, सोनू राठौर सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

समर कैम्प से प्रतिभा में आया निखार, समर कैंप समापन हुआ

बैतूल। छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए ग्रीष्मकालीन 15 दिवसीय समर कैंप का समापन सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालापाठा में गुरुवार को हुआ। इस समर कैम्प में विभिन्न विधाओं पर आधारित नगर के ख्याति प्राप्त प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस समर कैम्प में कराटे, खेल, चित्रकला, हस्तकला, विज्ञान प्रयोग, मेहन्दी, कम्प्यूटर, नृत्य व गायन की बच्चों को सिखाया गया। प्रशिक्षण देने वालों में कराटे विजय साहू, खेल योगेश काले, भूपेन्द्र पवार, चित्रकला हरिहर ढोमने, हस्तकला श्रीमती संध्या साहू, विज्ञान प्रयोग श्रीमती मीरा साबले, मेहन्दी श्रीमती सीमा ठाकुर, कम्प्यूटर हर्षित येरपुड़े व श्रीमती रीतू देवड़े, नृत्य मयंक देशमुख, गायन झलक परिहार आदि का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बच्चों द्वारा विज्ञान व सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी की उत्तर दिए। यह समर कैम्प श्रीमती जयश्री पाटील व योगेश काले के मार्गदर्शन में संचालित किया। प्रशिक्षणार्थी में 60 प्रतिशत बच्चे अन्य विद्यालयों के सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य संजय उपाध्याय ने बताया कि इस कैम्प में प्रशिक्षणार्थी में

60 प्रतिशत बच्चे अन्य विद्यालयों के सम्मिलित हुए। जिसमें बच्चों की प्रतिभा में निखार आया साथ ही उपस्थित लोगों ने बच्चों का प्रदर्शन देखा। विद्यालय संचालन समिति महर्षि अरविन्द शिक्षा समिति के अध्यक्ष कश्मीरी लाल बतरा, कोषाध्यक्ष हरीश गढ़ेकर, सहसचिव श्रीमती रश्मि साहू व अन्य समिति सदस्यों व विद्यालय के आचार्य-दीदियों द्वारा सहभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा इन गतिविधियों को अपने जीवन में उतारने की बात कही। आभार प्रदर्शन श्रीमती मीरा साबले ने व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा शहर के पहले वाटर पार्क का किया शुभारंभ

रीवा को मिली एक और उपलब्धि

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर के पहले वाटर पार्क का लोकार्पण किया। शहर के माध्यम से बीहर नदी के तट पर निर्मित ईको पार्क में वाटरपार्क के शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले में रीवा के लोगों को घूमने के लिये कोई स्थान नहीं होता था अब इन स्थानों की कमी नहीं है। पार्क, सुंदर तालाबों के किनारे व वृक्षों से आच्छादित सुरम्य स्थानों में लोग सुकून के पल विता सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है। अब बाहर से आने वाले अपने परिजनों को भी यहां के लोग रीवा के पर्यटन स्थल दिखाते व घुमाते हैं जिनकी वह प्रशंसा भी करते हैं। रीवा के विकास की प्रदेश स्तर में चर्चा होती है। नवनिर्मित जिला न्यायालय भवन व सर्किट हाउस भवन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की गई। वाटर पार्क भी रीवा के लिये बड़ी उपलब्धि है। अभी तक रीवा में इसकी कमी थी। रीवा के ह्मदय स्थल में निर्मित वाटरपार्क इस कमी को दूर करेगा। वाटर पार्क बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं में लोकप्रिय स्थान होता है। गर्मी में इसका विशेष आकर्षण होता है। अब रीवा वासी इसका आनंद उठायेंगे। पूर्व विधायक के.पी. सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रायल्टी की कच्ची रसीदों से हो रही है अवैध वसूली

सुबह सवेरे सोहागपुर। आज ब्लाक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस के तत्वावधान में कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी अनिल जैन को कांग्रेसी नेताओ एवं कार्यकर्ताओं ने सोहागपुर ब्लाक में रेत के अवैध उत्खनन एवं कालाबाजारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र में रायल्टी के नाम पर कच्ची रसीदों से रेत की कालाबाजारी हो रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना वाले हितग्राहियों को महंगे दामों पर रेत दी जा रही है।इस कारण यह करीब आम आदमियों पर मकान बनाने वालों पर अतिरिक्त

बोझ पड़ेगा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सत्यम राजपूत ट्रेक्टर ट्राली वालों से प्रति सप्ताह 8 से10 हजार रूपये वसूल रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अवैध वसूली रोकर नियमानुसार खदान का आवंटन किया जाए। ताकि प्रदेश सरकार को आर्थिक नुकसान न हो। इसी ज्ञापन में मंग खरीदी को लेकर सुझाव दिया गया है कि पिछली गलतियों से सबक लेकर किसानों को राहत दी जाए कि उसको अपनी उपज बैचने के लिए 10किलोमीटर से अधिक दूर न जाना पड़े। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि एक सप्ताह में अवैध रेत वसूली मामले में अनदेखी की गई तो हमें आन्दोलन करने को बाध्य होना पड़ेगा। जिसकी जुम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता पुष्पराज सिंह पटेल, वकील मंगल सिंह, नगर कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौधरी इरफान खान,जलज शर्मा,इल्यास खान, वकील कार्तिक शर्मा, गणेश अहिरवार, राकेश चौधरी , चौरसिया,नीरज चौधरी, तिवारी, सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।इसी संदर्भ में राज्य मार्ग 22 मुख्य बाजार में आक्रोशित कांग्रेस जनों ने पुतले का दहन भी किया।

31 मई तक सभी राशन हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

बैतूल। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले सभी पात्र हितग्राहियों की इकेवाईसी का कार्य किया जा रहा है। अभी तक जिले के जिले में 1265112 पात्र हितग्राहियों में से 1120301 हितग्राहियों की ईकेवाईसी की जा चुकी हैं। प्रदेश में बैतूल अग्रणी जिलों में शामिल हैं। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 31 मई तक जिले के सभी पात्र हितग्राहियों की इकेवाईसी कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिले के सभी पात्र राशन हितग्राहियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी इकेवाईसी कराएं ताकि उन्हें आगे भी निर्बाध रूप से राशन प्रदान किया जा सके। ईकेवाईसी कराते समय जिन हितग्राहियों के पीओएस मशीन में फिंगर नहीं आ रहे है वे स्वयं अपने स्मार्टफोन में प्ले स्टोर से मेरा ई-केवायसी एप डाउनलोड कर फेस इकेवाईसी के माध्यम से ईकेवाईसी कर सकते है। इसके लिए सर्वप्रथम ऐप डाउनलोडकरें, फेस इकेवाईसी डाउनलोड की पूरी प्रक्रिया को एलाउ करें। एप डाउनलोड होने के बाद सबसे पहले अपना स्टेट मध्यप्रदेश का चयन करें, उसके बाद हितग्राही का आधार नंबर दर्ज करें। आधार नंबर दर्ज होने के बाद जनरेट ओटीपी का चयन करें तब आधार में दर्ज मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा। इस ओटीपी को दर्ज कर हितग्राही की जानकारी प्रदर्शित होगी। उसके बाद फेस इकेवाईसी के ऑप्शन का चयन कर हितग्राही का फोटो लेना है। फोटो लेते समय हितग्राही को अपनी आँखों की पलकों को दो बार झपकाना है। इसके बाद सफलतापूर्वक ईकेवाईसी का मैसेज प्राप्त होगा। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पीओएस मशीन में हितग्राहियों के फिंगर प्रिंट न आने पर वे एप के माध्यम से ईकेवाईसी कराएं।

सारंगपुर में गूँजा वंदेमातरम्, भव्य तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सारंगपुर में सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा, मंत्री टेटवाल ने किया पूर्व सैनिकों का सम्मान

भोपाल। भारतीय सेना के सम्मान में राजगढ़ के सारंगपुर विधानसभा में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमे देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हजारों नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यात्रा गांधी चौक से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई बस स्टैंड पहुची। जहां भारत माता की आरती के साथ यात्रा का विश्राम हुआ।

यात्रा में सर्वधर्म समभाव आया नजर- भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में सर्व समाज के लोगों से हिस्सा लिया। इसमें सामाजिक संगठन, मंडल, समितियों और वर्ग के लोगों ने एकता का संदेश देते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी अटूट निष्ठा का परिचय दिया। साथ ही यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित सभी ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। यात्रा में भारत माता की झांकी, परंपरागत वेशभूषा में सजे युवाओं की टोली और बैंड खास आकर्षण का केन्द्र रहे।

पुष्प वर्षा के साथ हुआ यात्रा एवं पूर्व सैनकों का स्वागत, देशभक्ति में झूमा सारंगपुर- तिरंगा यात्रा दोपहर 3 बजे गांधी चौक से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई बस स्टैंड पहुची। मार्ग में जगह जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। वही यात्रा में भारतीय सेवा के पूर्व सैनिक भी शामिल हुए जिन्हें देख हर तरफ 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्', और 'जय हिंद' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो

उठा।

भारतीय सैनिकों पर भारत करता है गौरव- मंत्री श्री टेटवाल- तिरंगा यात्रा में मध्यप्रदेश सरकार के राज्य मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने यात्रा की शुरुआत की। भारत माता की आरती से पहले मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि हमारे जवान सीमा पर खड़े होकर दिन रात देश की सेवा कर रहे हैं। उनका उत्साहवर्धन करना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। आज सारंगपुर के नागरिकों ने एकता और देशप्रेम का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह प्रेरणादायक है। भारत एक पूण्य भूमि है। जहां वीरों ने जन्म लिया। भारतीय वीर नारियों की गाथा संपूर्ण देश में विख्यात है। यह हमारा गौरव है कि इस धरती पर उन वीरांगनाओं ने जन्म लिया, जिनका गौरवशाली गाथा इतिहास में अमर है। आज केवल सारंगपुर ही नहीं बल्कि पूरा देश सेना के जवानों पर गौरवान्वित महसूस करता है।

यात्रा में प्रशासन और स्वयंसेवकों का रहा बेहतर समन्वय- यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। नगर प्रशासन, पुलिस विभाग, और विभिन्न सामाजिक संगठनों के स्वयं सेवकों ने मिलकर व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बना सारंगपुर- भव्य तिरंगा यात्रा के बाद मंत्री श्री टेटवाल ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि आज सारंगपुर राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गया है। यह सारंगपुर के लिए गौरव की बात है, आज यहां की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश की रक्षा में लगे सैनिकों के लिए जनता के दिलों में कितना सम्मान है। आज यह यात्रा सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का जीवंत उदाहरण बन गई है।

एम्स भोपाल में जटिल थोरैसिक सर्जरी से मरीज की छाती से निकाली 3 किलो की गठान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने एक अत्यंत जटिल एवं दुर्लभ सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस सर्जरी के माध्यम से सागर निवासी 47 वर्षीय एक मरीज का सफल उपचार किया गया, जो विगत पाँच वर्षों से सांस फूलने की गंभीर समस्या से पीड़ित था। विभिन्न अस्पतालों से परामर्श के बावजूद जब कोई लाभ नहीं मिला, तब वह एम्स भोपाल के सीटीवीएस विभाग में परामर्श हेतु पहुँचा। जांच में पाया गया कि उसकी छाती में एक बड़ा ट्यूमर है, जो बाएं फेफड़े, हृदय एवं महाधमनी पर दबाव डाल रहा था। विभाग की विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत परीक्षण के उपरांत सर्जरी का निर्णय लिया गया। सर्जरी के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि ट्यूमर आकार में अत्यधिक बड़ा है और हृदय की प्रमुख रक्तवाहिनियों को घेर चुका है। अतः मरीज को कार्डियोपल्मोनरी बायपास पर रखते हुए हृदय को अस्थायी रूप से रोका गया, जिसके पश्चात लगभग तीन किलोग्राम वजनी और 30 सेंटीमीटर लंबा ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। ऑपरेशन उपरांत मरीज को कुछ दिनों तक आईसीयू में रखा गया तथा स्वास्थ्य में सतत सुधार को देखते हुए अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, इस तरह की जटिल सर्जरी का सफल निष्पादन न केवल मध्यप्रदेश बल्कि आस-पास के क्षेत्रों के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केवल एक चिकित्सकीय सफलता नहीं, बल्कि उन सभी रोगियों के लिए आशा की एक नई किरण है जो जटिल बीमारियों से जूझ रहे हैं। एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता है कि उन्नत चिकित्सा सुविधाएं समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचें। इस मरीज की सर्जरी कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में किया गया एवं सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. पूजा सिंह ने इस सर्जरी में सहयोग किया।

जल गंगा संवर्धन की आगामी योजना की बैठक संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर। जल गंगा संवर्धन स्वयं सहायता समूह, जन अभियान परिषद की आगामी कार्ययोजना के संदर्भ में जनपद पंचायत सभागार में सीईओ संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान की आगामी कार्ययोजना एवं कार्यक्रम समीक्षा बैठक में सीईओ ने त्रिमासिक जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की जानकारी दी। जिसमें आपने बताया कि तालाब, की साफ सफाई करना एवं उससे निकलने वाली गाद का कोई भी ग्रामीण अपने खेत में कर सकता। शासकीय कुओं की सफाई में सहयोग करना है।जिसमें जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियों के छात्र छात्राओं के अलावा समाजसेवीयों का सहयोग लिया जा सकता है। वहीं आपने रैन वाटर हार्वेस्टिंग की जानकारी उपस्थित जनों को दी। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले ने माय भारत पोर्टल एवं सोशल मीडिया में प्रचार प्रसार क्यों किया जाता है । विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया।वर्मा मेडम एनआरएलएम विभाग प्रमुख के साथ निर्मल विकास सेवा समिति, नवरंग युवा मंडल संदेश मिश्रा , सोहागपुर मित्र संघ के कमल किरार मेंटर गजेंद्र ठाकुर, सचिन विश्कवर्मा, मंजूर पंवार मेम छात्र छात्राओं हरिदास अहिरवार, अभिशेक कपढ़ियआ, वंशीका भवसागर, शिवानी मेहरा, भूमिका ढोहरे आदि उपस्थित थे। इस अवसर समूह की महिलाएं उपस्थित थी। इसी अवसर पर सभी को जल बर्बादी कार्यक्रम की शपथ दिला कर मानव श्रख्ला बनाई गई ।

बैतूल से शुरू हुआ लाडो अभियान पहुंचा विदेश तक

9 साल 6 महीने में 3800 बेटियों को मिला सम्मान

बैतूल। बेटी के नाम घर की पहचान अभियान, जिसे 2015 में बैतूल निवासी युवा समाजसेवी अनिल यादव ने अपनी बेटी आयुषी यादव के जन्मदिन 8 नवंबर से शुरू किया था, आज देश और विदेश में पहचान बना चुका है। इस अभियान का उद्देश्य बेटियों को समाज में पहचान और सम्मान दिलाना है, जो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और स्वच्छ भारत अभियान से भी जुड़ा है। इस अभियान की मध्य प्रदेश के 26 जिलों और बैतूल के 138 गांवों के साथ लंदन, दुबई और अमेरिका जैसे देशों में भी इसकी दस्तक हो चुकी है। 3 हजार 485 दिनों के सफर में अब तक 3800 घरों में बेटियों के नाम की नेम प्लेट लगाई जा चुकी है। यह अभियान 8 नवंबर 2025 को अपने 10 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। हाल ही में निरापूरे परिवार में एक विशेष अवसर पर लाडो फाउंडेशन की टीम ने घर पहुंचकर सभी का फूलों से स्वागत किया और बेटियों के नाम की नेम प्लेट उनके घर पर लगाई। इस मौके पर छतरपुर में आयुष विभाग में पदस्थ डॉक्टर अंकिता अभियान को आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर की। इस मौके पर राजेंद्र प्रसाद निरापुरे, कलावती निरापुरे, नीरज निरापुरे, दिव्या निरापुरे और अन्य परिजन उपस्थित रहे। लाडो फाउंडेशन के संस्थापक अनिल यादव ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में बेटियों के माता-पिता, सामाजिक बंधु और पत्रकार बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अभियान की प्रशंसा हर ओर हो रही है और इससे बेटियां भी खुश हैं।

किराड़ समाज ने बुजुर्ग महिला को पहुंचाया घर

बैठक में निर्णय, बड़े बेटे के पास रहेगी व छोटा बेटा करेगा आर्थिक सहयोग

बैतूल। विगत 3 माह से ढाबला निवासी पंचफुला बाई सोलंकी शहर में घूम-घूम कर अपनी आजीविका चलाती और बस स्टैंड पर रात गुजार रही थी। बुजुर्ग महिला की परेशानी को देखते हुए वरिष्ठ समाजसेवी अकील अहमद व कुमारजित सिंह वर्मा ने महिला को प्रशासन से मुलाकात करवाकर किराड़ महासभा के पदाधिकारियों को घटनाक्रम से अवगत कराया। महासभा के पदाधिकारियों तत्काल बैठक आहूत कर पंचफुला बाई व उनके बेटों को बुलाकर दोनों पक्षों को सुनकर समझौता कराया गया और दोनो पक्षों को भविष्य में विवाद ना करने की राय दी जिस पर दोनो पक्ष सहमत हुए। समाज के लोगों ने बुजुर्ग महिला को घर पहुंचाया। बैठक में निर्णय लिया कि बड़े बेटे दिनेश सोलंकी के पंचफुला बाई रहेगी व छोटा बेटा सुभाष सोलंकी उनका आर्थिक सहायता करेगा। महासभा के जिला अध्यक्ष दयाल पटेल हारोड़े व नवयुवक जिला अध्यक्ष मदनलाल डढोरे ने प्रशासन व

समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डीएस पटेल, नामदेव वर्मा, हेमराज घिड़ाडे, रामदास हारोड़े, किशोर बनखेड़े, कैलाश नरवरे, मदनलाल डढोरे, शेखकर हारोड़े, आरके लिल्लोरे, नारायण अमरूते, मुन्ना गढ़ेकर का विशेष योगदान रहा।

आदि गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत दर्शन की स्थापना कर उन्नति का मार्ग किया प्रशस्त : केंद्रीय मंत्री

आदि गुरु शंकराचार्य का जीवन समाज कार्य की देता है प्रेरणा : मोहन नागर

बैतूल (निप्र)। आदि गुरु शंकराचार्य जन्मोत्सव पखवाड़े पर मंगलवार को व्याख्यान माला का शुभारंभ बैतूल के भारत-भारती परिसर में अतिथियों द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामले भारत सरकार श्री दुर्गादास उइके, मप्र जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर, शासी निकाय सदस्य म.प्र. जन अभियान परिषद बुधपाल पाल ठाकुर, श्री अनिल अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अवधारणा जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने रखी। उपस्थित अतिथियों का अंग वस्त्र एवं पुष्प भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री जनजातीय मामले भारत सरकार श्री दुर्गादास उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य शंकराचार्य ने सभी वेदों के भाष्य लिखकर उनका सरलीकरण कर समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। अद्वैतवाद के सिद्धांत के बारे में भी विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने उपनिषदों और ब्रह्मसूत्र की व्याख्या करते हुए अद्वैत वेदांत दर्शन की

स्थापना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर ने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य जी ने राष्ट्र को एकाकार करके एकात्म दर्शन को बतलाया है। साथ ही संगठित भारत को एक नई पहचान दी। शासी निकाय सदस्य म.प्र. जन अभियान परिषद श्री बुधपाल सिंह ठाकुर ने भारत में आदि गुरु शंकराचार्य जी के योगदान पर प्रकाश डाला। जिला समन्वयक श्रीमति प्रिया चौधरी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन विकासखण्ड समन्वयक घोड़ाडोंगरी सन्तोष राजपूत एवं आभार विकासखण्ड समन्वयक पट्टन श्रीमती राधा बरोदे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संभाग समन्वयक नर्मदापुरम श्री कौशलेश तिवारी, समस्त विकासखंड समन्वयक ,सामाजिक कार्यकर्ता, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि, स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि, समस्त परामर्शदाता सहित 130 प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जन आंदोलन बन रहा जल गंगा संवर्धन अभियान

जिले में जल संवर्धन के लिए 6500 जलदूत ग्रामीणों को कर रहे है जागरूक

बैतूल (निप्र)। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा एवं जल स्त्रोतों की उपेक्षा के कारण जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। इसी समस्या को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाकर हर गांव तक पहुंचाना है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए बैतूल जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यरत 6500 सामुदायिक संसाधन व्यक्ति सीआरपीएस को जलदूत के रूप में प्रशिक्षित कर गांव-गांव में जल संरक्षण के संदेशवाहक के रूप में तैनात किया गया, जो गांव-गांव में जलदूत बनकर जल है तो कल है के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं।

उनका सक्रिय योगदान ही इस अभियान की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इन जलदूतों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को जल संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना, परपंरागत जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार करना, वर्षा जल का संचयन एवं उपयोग सुनिश्चित करना, जल संसाधनों का समुचित प्रबंधन, सामुहिक जनभागीदारी से जल आधारित आजीविका को सशक्त बनाना।

प्रदेश के हर गांव में उपलब्ध कराएंगे सिंचाई की सुविधा : मुख्यमंत्री

● विकास के कार्यों में नहीं होने देंगे धन की कमी ● गोपालन को बढ़ावा देकर गाय का दूध भी खरीदेगी सरकार ● बहनों और बेटियों के लिए जितनी जरूरत, उतने कॉलेज खोलेगी सरकार ● म.प्र. इकलौता राज्य, जहां तीन बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर हो रहा काम ● मुख्यमंत्री ने दिव्यगवां में शासकीय बिरसा मुंडा महाविद्यालय, 501 खेत तालाबों और 50.73 करोड़ के 7 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमि-पूजन ● बैकुंठपुर में नया कॉलेज भवन, चौखंडी में सांदीपनी विद्यालय और जनपद पंचायत जवां को नगर परिषद बनाए जाने की घोषणा की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ये मध्यप्रदेश के विकास का दौर है। विकास के प्रकाश से प्रदेश का कोई कोना वंचित नहीं रहेगा। विकास के कामों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश में जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों के साथ-साथ सिंचाई सुविधाओं का विकास भी हमारी सरकार कर रही है। प्रदेश के हर गांव में हमारी सरकार सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध कराएगी। नदी जोड़ो अभियान में हम इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम प्रारंभ हो चुका है। तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के लिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रीवा जिले की सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के दिव्यगवां में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन तथा जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यगवां में शासकीय बिरसा मुंडा महाविद्यालय (लागत करीब 6 करोड़ रुपये) सहित कुल 50.73 करोड़ रुपये की लागत वाले 5 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 2 कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान में रीवा जिले में करीब 7 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 501 नए खेत तालाबों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह विकास यज्ञ है, रुकेगा नहीं, थमेगा नहीं। उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीणों से अपील की कि वे सभी विकास के कामों में सरकार का सहयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैकुंठपुर में नया कॉलेज भवन बनाने, चौखंडी में सांदीपनी विद्यालय बनाने, जनपद पंचायत जवां को नगर परिषद बनाए जाने, सिंचाई योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत जवां के कुछ चयनित ग्राम समूहों को आपस में नहरों से जोड़ने और यहां स्टॉप डेम निर्माण के लिए राशि मंजूर करने की घोषणा के अलावा इसी जनपद क्षेत्र के प्रस्तावित 3 ग्राम समूहों की एक पृथक ग्राम पंचायत बनाने की घोषणा भी की।

501 नए खेत तालाबों से रीवा जिले का बढ़ेगा सिंचाई रकबा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश देश का इकलौता राज्य है, जहां तीन बड़ी नदी परियोजना पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी), केन-बेतवा लिंक और तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना पर काम हो रहा है। वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकास कार्य हो रहे हैं। इसी अभियान में रीवा में लोकार्पित किये गये 501 नए खेत तालाबों से जिले का सिंचाई रकबा बढ़ेगा और फसलों की पैदावार बढ़ेगी।

राम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय विकसित कर बनायेंगे तीर्थ क्षेत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने तय किया है कि प्रदेश में जहाँ-जहाँ भगवान श्रीराम के चरण पड़े हैं, वहाँ-वहाँ सरकार श्रीराम वन गमन पथ विकसित कर इन्हें तीर्थ क्षेत्र बनाएगी। इसी प्रकार जहाँ-जहाँ भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हुईं, वहाँ-वहाँ श्रीकृष्ण पाथेय बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट का भी विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित जनसमूह को विकास के लिए संकल्प दिलाते हुए कहा कि देश ने बीते दिनों में भारतीय सेनाओं का जो शौर्य और पराक्रम देखा है उससे पूरे देशवासी बेहद गौरवान्वित हैं। हमें हमारी सेनाओं और जवानों पर नाज है।

विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर नहीं रखेगी सरकार

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस मौके पर कहा कि शासकीय बिरसा मुंडा महाविद्यालय के नए भवन सहित क्षेत्र को आज ढेरों सौगातें मिली हैं। उन्होंने कहा कि यह विकास को तरजीह देने वाली सरकार है। रीवा जिले सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। रीवा सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने क्षेत्रीय बघेली बोली में संबोधित कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रीवा क्षेत्र में नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण होने के लिए आभार ज्ञापित किया। विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह ने क्षेत्रीय विकास से जुड़ी विभिन्न प्रकार की मांगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष रखीं।

मुख्यमंत्री ने उस कॉलेज का किया लोकार्पण जिसे उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में किया था स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा को और बेहतर एवं गुणवत्तापरक बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है। उन्होंने हर्ष जताते हुए बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने दिव्यगवां में कॉलेज मंजूर किया था और आज उसी कॉलेज का वे बतौर मुख्यमंत्री लोकार्पण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कॉलेज में 3 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जिसमें 80 प्रतिशत बेटियां हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों और बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। इनकी पढ़ाई-लिखाई के लिए जितनी जरूरत, उतने विद्यालय और महाविद्यालय खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई लिखाई, कॉपी किताबें, गणवेश, साईकल, लैपटॉप, स्कूटी देने के अलावा हमारी सरकार विद्यार्थियों की बेहतर कोचिंग की व्यवस्था भी कर रही है।

राजधानी में निकली तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय के नारों से गूंजा भोपाल

सीएम यादव समेत बच्चे, युवा और बुजुर्ग हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। रोशनपुरा चौराहे से शास्त्री प्रतिमा चौराहा तक इस यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत हजारों लोग शामिल हुए। महापौर मालती राय, पूर्व सैनिक, समाजसेवी और धर्मगुरु भी मौजूद हैं। इसमें आमजन, वरिष्ठ नागरिक, कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं।

रोशनपुरा चौराहे पर चारों ओर तिरंगा लहराता नजर आया और पूरा इलाका देशभक्ति के रंग में रंग गया। बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाएं, हर आयु वर्ग के लोग हाथों में तिरंगा लिए 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों के साथ शामिल हुए। इस आयोजन के चलते शाम 4 बजे से ट्रैफिक रूट में बड़ा बदलाव किया गया है। नगरीय यातायात पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वो ट्रैफिक नियमों का पालन करें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

वीर बेटियों के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के सम्मान में यह तिरंगा यात्रा निकाली गई है।